बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

SANSKAR UJALA

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 126 | शनिवार 26 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

भगवान को भी धोखा? 100 करोड़ का चेक, लेकिन बैंक अकाउंट में मिले सिर्फ 22 रुपये

विशाखापट्टनम। दक्षिण भारत के मंदिरों को काफी दान मिलते हैं। हालांकि, कुछ भक्तों ने भगवान को भी धोखा दे दिया। मंदिर के दानपात्र में एक भक्त ने 100 करोड़ का चेक डाल दिया। जब मंदिर प्रबंधन ने चेक को कैश कराने के लिए बैंक से संपर्क किया तो अकाउंट में सिर्फ 22 रुपये थे। यह पहला मामला नहीं है। कुछ खातों में 17 रुपये भी मिले हैं। ताजा घटना विशाखापत्तनम की है। सिम्हाचलम देवस्थानम के अधिकारियों को उस समय आश्चर्य हुआ जब उन्हें बुधवार को हुंडी संग्रह की गिनती के दौरान मंदिर को दान किए गए 100 करोड़ रुपये का चेक मिला। एक कॉर्पोरेट बैंक के चेक पर किसी बोड्डेपल्ली राधाकृष्ण द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। अधिकारी चेक को मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) त्रिनाधा राव के पास ले गए। त्रिनाधा राव ने कहा, ÷अंकों और शब्दों में राशि सही है। एक छोटा सा सुधार है। अगर चेक कैश हो जाती है तो हम बहुत भाग्यशाली होंगे।÷ उन्होंने कहा कि चेक को मंदिर की बैंक शाखा में भेज दिया गया है। मंदिर के सूत्रों ने कहा कि भक्त के बैंक खाते के वेरिफिकेशन से पता चला कि राधाकृष्ण के खाते में केवल 22 रुपये थे। हालांकि, उसका पता नहीं मिल सका है। सिम्हाचलम ईओ ने कहा, ÷यह मंदिर के लिए कोई नई बात नहीं है। पहले भी भक्तों द्वारा फैंसी राशि के चेक हुंडी में डाले गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर ऐसे मामलों में चेक बाउंस का मामला दर्ज करता है, मंदिर के एक अधिकारी ने कहा कि सिम्हाचलम प्रशासन ऐसे मामलों को नजरअंदाज कर देता है, क्योंकि ये दान के रूप में दिए जाते हैं।

बनना चाहता था कांग्रेस अध्यक्ष लेकिन...;

अशोक गहलोत को मौका चूक जाने का मलाल; पहली बार बताई मन की बात

जयपुर। राजस्थान में इस साल के अंत में बेहद दिलचस्प चुनावी मुकाबला होने जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में सत्ता परिवर्तन वाले दशकों पुराने रिवाज को बदलना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने मुफ्त बिजली, मोबाइल और 25 लाख रुपए तक का कैशलेस इंश्योरेंस तक का ऐलान किया है, जिसके बाद भाजपा भी उनके अजेंडे पर चलने को मजबूर हो गई है। हिन्दुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में गहलोत ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह 2008 जैसी बड़ी जीत हासिल कर पाएंगे जब कांग्रेस को 153 सीटें हासिल हुईं थीं। उन्होंने पिछले पांच सालों तक सचिन पायलट के साथ चले टकराव के खत्म हो जाने के संकेत भी दिए।

पायलट के साथ टकराव की वजह से ही वह पिछले साल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते-बनते रह गए थे। इंटरव्यू के दौरान गहलोत ने इससे जुड़े एक सवाल में इस बात को खारिज किया कि उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से अधिक मुख्यमंत्री के पद को अहमियत दी। राजस्थान की राजनीति के जादूगर कहे जाने वाले गहलोत को इस बात का मलाल है कि उन्हें जो पद ऑफर किया गया था उसे हासिल नहीं कर पाए। गहलोत ने यहां तक कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद मुख्यमंत्री के मुकाबले 100 गुना ज्यादा

बड़ा है। गहलोत से पूछा गया कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष बनने के ऑफर को स्वीकार ना करने का पश्चाताप है? उन्होंने कहा, मैं इसके लिए तैयार था। यह बहुत प्रतिष्ठित पद है, कौन कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनना चाहेगा? परिस्थितियां कुछ ऐसी हो गईं कि मैं नहीं बन सका। यह गलत धारणा है कि मैं मुख्यमंत्री बने रहना चाहता था और पार्टी प्रमुख नहीं, या मैंने इसे ठुकरा दिया। यह पूरी तरह गलत है। सोनिया गांधी सच जानती हैं, मैंने उन्हें सब बताया। मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता क्योंकि अब हम सभी को एक साथ चुनाव लड़ना चाहिए। हालांकि मैं पार्टी प्रमुख बनना चाहता था और यह मुख्यमंत्री से 100 गुना ज्यादा बड़ा पद है। मैं आज भी महसूस करता हूं कि मैं पार्टी अध्यक्ष बन सकता था। यह पूछे जाने पर कि क्या भविष्य के लिए विकल्प खुला है, गहलोत ने कहा कि भविष्य किसने देखा है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव से पहले गहलोत को पद छोड़ना पड़ता और प्रदेश में पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलें थीं। मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय मकान को आलाकमान ने इसको लेकर जयपुर भेज दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर गहलोत कैंप ने इस्तीफे का दांव चल दिया। इसके बाद चीजें पूरी तरह पलट गईं।

गंगासागर के लिए विशेष ट्रेन 8 सितंबर को उदयपुर से होगी रवाना

उदयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2023 अन्तर्गत विशेष रेलगाड़ी राणा प्रतापनगर (उदयपुर) से गंगासागर ट्रेन आगामी सितंबर को राणा प्रतापनगर (उदयपुर) रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

देवस्थान आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि इस यात्री गाड़ी में राणा प्रताप नगर उदयपुर रेलवे स्टेशन से 270 एवं अजमेर रेलवे स्टेशन से 350 कुल 620 यात्री सवार होंगे। उदयपुर संभाग के यात्रियो को राणा प्रतापनगर उदयपुर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 7 बजे तथा अजमेर व कोटा संभाग के यात्रियों अजमेर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 10 बजे से रिपोर्ट करना होगा।

इस रेलगाड़ी में सभी चयनित तीर्थ यात्रियों को व्यक्तिशः दूरभाष एवं संदेश के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। यात्री अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी मय प्रमाणित चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र, मूल जनआधार, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना अनिवार्य होगा। वहीं दैनिक उपयोग की सामग्री यथा आवश्यक औषधियां, व्यक्तिगत आवश्यकता हेतु नकदी, कपड़े साथ लाने होंगे। ट्रेन में 7 दिन तक यात्रियों के आवास, भोजन आदि समस्त व्यवस्थाएं देवस्थान विभाग द्वारा की जाएगी फलतः यात्रियों हेतु यात्रा पूर्णतः निःशुल्क रहेगी

12, तुगलक लेन से हुआ राहुल गांधी का मोहभंग!

कमेटी को नहीं दिया जवाब, अब यह हो सकता है नया पता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने पुराने बंगले यानी 12, तुगलक लेन में लौटेंगे या नहीं? इसे लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच बुधवार लोकसभा की हाउसिंग कमेटी को भी इस संबंध में राहुल की तरफ से जवाब दिए जाने की 15 दिनों की मियाद खत्म हो गई है। फिलहाल, वायनाड सांसद ने आधिकारिक तौर पर बंगले में वापसी को लेकर कुछ नहीं कहा है। सांसदी बहाल होने के बाद राहुल को बंगला दोबारा आवंटित कराने के लिए लोकसभा हाउसिंग कमेटी को 15 दिनों के भीतर जवाब देना था। बुधवार को यह समय सीमा खत्म हो चुकी है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में पार्टी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि कांग्रेस नेता ने आवंटन को पूरी तरह से अस्वीकार नहीं किया है।

साथ ही पार्टी सूत्रों ने इन संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया है कि राहुल बंगले में न लौटें। दरअसल, रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी वजह उनके खिलाफ की गई कार्रवाई का तरीका बताया जा रहा है, जिसके तहत उनकी लोकसभा की सदस्यता गई और साथ ही उन्होंने बंगला खाली करने के लिए कहा गया। खास बात है कि राहुल इस बंगले में साल 2005 से रह रहे थे।

छोटे बंगले में शिफ्ट होंगे राहुल–फिलहाल, राहुल लद्दाख की यात्रा पर हैं। कहा जा रहा है कांग्रेस नेता अपने नए बंगले के तौर पर छोटी जगह की भी तलाश कर रहे हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह सफदरजंग लेन, 7 बंगले में भी शिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, अब तक पार्टी की तरफ से इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

क्या था मामला

साल 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में राहुल ने मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस किया था। 2023 में सूरत की एक कोर्ट ने राहुल को इस मामले में दोषी माना था। बाद में गुजरात हाईकोर्ट की तरफ से भी दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी थी।

बिहार में दर्दनाक हादसा, नहर में गिरी स्कॉर्पियो; श्राद्ध से लौट रहे 5 लोगों की मौत

छपरा। बिहार के छपरा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मशरक में एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर कर्कुदरिया नहर में गिर गई। गाड़ी पुल से 20 फीट गहरे पानी में चली गई। स्कॉर्पियो सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी बसंतपुर के बगही से श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को गाड़ी से बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक यह हादसा गुरुवार देर रात मशरक में हुआ। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि अशरफ अली ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। इसके बाद गाड़ी में फंसे पांच लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। मृतकों में चार गोपालगंज जिले के रहने वाले थे और एक सारण जिले का है। बताया जा रहा है कि गाड़ी में सवार सभी गोपालगंज के बैकुंठपुर से सीवान जिले के बसंतपुर स्थित बगही में एक श्राद्ध कार्यक्रम से लौट रहे थे। मृतकों में हमीदपुर पंचायत के सोनवलिया गांव के मुखिया के पिता और भतीजा भी शामिल हैं।

एकनाथ शिंदे और 15 विधायकों ने 6500 पन्नों में दिया अयोग्यता के नोटिस का जवाब

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायकों ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा जारी अयोग्यता नोटिस पर अलग-अलग हजारों पन्नों के जवाब दाखिल किए हैं। शिवसेना विधायक और पार्टी प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि प्रत्येक विधायक ने 6,000 से 6,500 पृष्ठों का जवाब दाखिल किया है। उन्होंने कहा, यह कोई संयुक्त वक्तव्य नहीं है। हर विधायक ने 6,000 से 6,500 पृष्ठों का अलग-अलग जवाब दाखिल किया है। शिरसाट उन 16 विधायकों में से एक हैं जिनके खिलाफ जून 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और अविभाजित शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह करने के बाद अयोग्यता नोटिस जारी किए गए थे। ठाकरे समूह ने उन्हें अयोग्य

घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका दायर की थी। शिरसाट ने कहा, जवाबों को एक टेंपो में भेजा गया है। संपर्क करने पर, शिवसेना विधायक सदा सरवनकर और बालाजी किनिकर ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि नोटिस के जवाब कितने लंबे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह फिलहाल इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, अयोग्यता मुद्दे पर निर्णय लेते समय स्पीकर एक अर्ध न्यायिक प्राधिकारी होता है। मैं अब इस पर चर्चा नहीं करूंगा और हम प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेंगे। आपको बता दें कि स्पीकर ने 16 विधायकों को 7 जुलाई 2023 को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया था। विधायकों को अपना जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया था। विधायकों ने अपना जवाब देने के लिए स्पीकर से और समय मांगा था। उद्धव गुट ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और मांग की है कि महाराष्ट्र स्पीकर को 15 दिनों के भीतर अयोग्यता पर आदेश देने का आदेश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मई में अपने आदेश में कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता की कार्यवाही पर उचित समय के भीतर निर्णय लेना होगा।

हिमाचल में एकल खिड़की की बैठक में 1483 करोड़ के 29 प्रस्तावित निवेशों को स्वीकृति

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां राज्य एकल खिड़की स्वीकृति एवं अनुश्रवण प्राधिकरण की 27वीं बैठक में 1483 करोड़ के 29 प्रस्तावित निवेशों को मंजूरी दी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रदेश में हरित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य पर इस बरसात के दौरान आई प्राकृतिक आपदा को देखते हुए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का उपयुक्त यह समय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित नए प्रस्तावों में कास्टिंग प्लेट और फिलिंग, इन्वर्टर-बैटरी इत्यादि के निर्माण के लिए मैसर्ज ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड यूनिट-3, गांव नंदपुर, तहसील बद्दी, जिला सोलन, रोटावेटर ब्लेड और फोर्ज्ड पार्ट्स के निर्माण के लिए मैसर्ज एम्मफोर्स मोबिलिटी साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ईपीआईपी चरण-1, झाड़माजरी, तहसील बद्दी, जिला सोलन, कॉस्मेटिक्स और टॉयलेटरीज के निर्माण के लिए मैसर्स आरएसएच वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड बद्दी, जिला सोलन, सोडा, पैक्ड पानी के निर्माण के लिए

मैसर्स क्लीन वॉटर एंड अलाइड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड गांव अदुवाल जंदोरी, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टैबलेट, कैप्सूल, तरल बोतलें, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्स हिंदुस्तान फार्मास्यूटिकल्स, आई.ए., प्लास्डा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टेबलेट, कैप्सूल, तरल पदार्थ, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्ज नेरी मास्टर एंटीबायोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड आईए प्लास्डा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टेबलेट, कैप्सूल, तरल बोतलें, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्ज मास्टर फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज, आईए, प्लासडा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, नमूना परीक्षण, एपीआई आदि के लिए फॉर्मूलेशन विकास इत्यादि के लिए मेसर्ज वेल्जो रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एचपीएसआईडीसी, आईए, बद्दी, जिला सोलन, इंजेक्शन के लिए स्टेराइल वॉटर और शीशियों के निर्माण के लिए मैसर्ज कोलश फार्मा, ईपीआईपी चरण-2, थाना बद्दी, जिला सोलन, टैबलेट, कैप्सूल, ओरल ऑयल, क्रीम आदि के निर्माण के लिए मैसर्ज आदिरा लैब्स प्रा. लिमिटेड, ईपीआईपी, चरण-2, थाना, तहसील बद्दी, जिला सोलन, ट्यूबलर इनवर्टर बैटरी, प्लास्टिक बफर, वेट स्क्रबर आदि के निर्माण के लिए मैसर्ज केसीसीएस एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड आईए, अंब, तहसील अंब, जिला ऊना, हाइड्रोजन और इथेनॉल के निर्माण के लिए मैसर्ज ओआरकेए, औद्योगिक क्षेत्र, गगरेट, जिला ऊना, इंटीग्रेटेड कोल्ड एटमॉस्फेयर और पल्प प्रोसेसिंग यूनिट के निर्माण के लिए मैसर्ज पीआरसी एग्रोफ्रेश, मोहाल गजेडी, तहसील ठियोग, जिला शिमला, इन्फ्यूजन बीएफएस, कांच की बोतल, कोटिड और अनकोटेड टैबलेट तथा हार्ड जिलेटिन कैप्सूल के निर्माण के लिए मैसर्स हेटविक हेल्थकेयर एलएलपी, आईए, भांगला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन और कार्बोनेटेड शीतल पेय, पैकेज्ड पेयजल, पेय पदार्थ आधारित सिरप (बीआईबी), सौर ऊर्जा के निर्माण के लिए मैसर्स वरुण बेवरेजेज लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र कंदरोड़ी, चरण-2 जिला कांगड़ा शामिल हैं।

जख्म भरने वाले हाथ प्रार्थना करने वाले होंठ से ज्यादा पवित्र : मदर टेरेसा

भारत रत्न मदर टेरेसा जन्म जयंती

निमिषा सिंह

भारत के लोगों के प्रति उनके योगदान को चंद शब्दों में दशार्ना मुमकिन नहीं। वो एक विदेशी होकर भी भारत के लोगों की तकलीफ को महसूस कर पाई तो क्या हम अपने देश और मानवता के लिए कुछ योगदान नहीं दे सकते? आज फिर हमारे देश और समाज को मदर टेरेसा जैसी शख्सियत की जरूरत है जो दूसरों से अपने जैसा प्यार करे और उनके दुःख दर्द को अपना समझे। मदर टेरेसा दया, प्रेम की जीती जागती मूरत थी। निसंदेह मदर टेरेसा उन सभी के लिए आदर्श है जो इनके जैसा बनना चाहते है।

जिंदगी उसी की जिसकी मौत पर जमाना अफसोस करे गालिब। यूं तो हर शख्स आता है इस दुनिया में मरने के लिए। जी हां इस धरती पर कुछ शख्सियतें ऐसी भी आईं जो जीते जी तो मानवता के काम आए ही मरणोपरांत भी देश और समाज को एक दिशा दे गए। दया और निस्वार्थ भाव यह मेरे लिए महज कुछ शब्द नहीं। कुछ लिखने या पढ़ने के दौरान जब भी इन शब्दों पर मेरी नजर पड़ती है तो अनायास जेहन में एक छवि का निर्माण होता है और वह छवि होती है भारत रत्न और नोबेल पुरुस्कार से सम्मानित विरले व्यक्तित्व की स्वामिनी मदर टेरेसा की। 26 अगस्त 1910 यानि आज ही के दिन मदर टेरेसा का जन्म मेसिडोनिया की राजधानी स्कोप्जे शहर में हुआ था। बीसवीं सदी की फ्लोरेंस नाइटिंगेल कही जाने वाली मदर टेरेसा ने दुनिया को करुणा, प्रेम और लोगों की मदद करने के बारे में सिखाया। यकीनन जो दूसरों के लिए जीता है , जरूरतमंदों के लिए जीता है वही इंसान है और निसंदेह वही महान है। मदर टेरेसा जिनका संपूर्ण जीवन दुखियों दरिद्रो भूखों पीड़ितों रोगियों एवं विकलांगों की सेवा का पर्याय बन गया। सेवा ही उनके जीवन का परम लक्ष्य था। पूरी दुनिया ने जिन्हे नीली रेखा बॉर्डर वाली सफेद साड़ी वाली नन और कलकत्ता की मदर टेरेसा लोगों के लिए एक जीवित संत थीं। एग्नेस गोंझा बोयाजिजू (मदर टेरेसा) नाम की सामान्य सी यूरोपीयन लड़की पूरी दुनिया के गरीबों, भूखों और अपाहिजों और बेसहाराओं का सहारा बनी वह अपने आप में अचंभित करने वाली है। मदर टेरेसा ने पूरी दुनिया में लोगों की सेवा के लिए 100 से अधिक देशों में अपने 517 चैरिटी मिशन संस्थान खोले थे जिनके जरिए वह 5 लाख से ज्यादा लोगों का पेट भरती थी। उन्होंने कोढ़ जैसी बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए काफी काम किया। मदर टेरेसा ने कलकत्ता से न्यूयॉर्क और अल्बानिया तक मृत्य के करीब पहुंच चुके और अवांछित लोगों के लिए कई घर बनाए। वह एड्स पीड़ितों के लिए घर स्थापित करने वाली पहली महिलाओं में से एक थीं। मदर टेरेसा ना जाने कितने परित्यक्त लोगों की मां थी। उनके वात्सल्य का सुख पाकर न जाने कितने लोगों को नया जीवन मिला। भागलपुर बिहार के जाने माने पत्रकार स्वर्गीय मुकुट धारी अग्रवाल जी बताते थे कि मदर टेरेसा 80 के दशक में दूसरी बार भागलपुर आई थी। तब तक वह नोबेल और भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त कर चुकी थी। भागलपुर के लोगों ने सैंडल कंपाउंड में उनका नागरिक अभिनंदन किया गया था। मदर टेरेसा ने अपने संबोधन में भागलपुर के लोगों से कमजोर वर्गों निशक्त और निष्ठान्यों की सेवा करने की अपील की थी।

जन्म से युगोस्लाविया की होने पर भी वह भारतीय थी। 1948 में भारत की नागरिकता लेने वाली मदर टेरेसा किसी भारतीय से मिलने पर कहती थी कि आप जन्म से भारतीय हैं, इसे संयोग ही कहा जाएगा किंतु मैं स्वयं भारतीय बनी हूं। 50 से अधिक वर्षों तक इस साहसी महिला ने दुनिया भर के गरीबों, मरने वालों और अवांछित लोगों को सांत्वना दी। महज 18 वर्ष की अल्प अवस्था में ही मदर टेरेसा नन बनकर ईसाई मिशनरियों के साथ युगोस्लाविया से भारत के पूर्वी प्रांत बंगाल आई और कोलकाता के सेंट मैरी स्कूल में बतौर शिक्षिका सेवा देना शुरू किया। उन्होंने सेंट मैरी हाई स्कूल फॉर गर्ल्स में 17 वर्षों तक भूगोल पढ़ाया । आजादी के बाद व्याप्त गरीबी ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। भारत के दो भागों में विभाजन और लाखों नागरिकों का विस्थापन, हिंदू और मुसलमानों के बीच तनाव और कलकत्ता की सड़कों पर दंगों ने उन्हें काफी हद तक परेशान किया। अंततः उसने कॉन्वेंट छोड़ने और सड़क पर गरीबों, बीमारों, बेघरों और मर रहे लोगों की सेवा करने की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने का फैसला किया। कहते हैं कि स्कूल के पास के मोतीझील बस्ती के लोगों के दुखों और कष्टों को देखकर उसी क्षण से वह मानव सेवा के लिए समर्पित हो गई। साधनहीन होने के बावजूद वह मानव सेवा का संकल्प लेकर अपने कर्म क्षेत्र में उतरी। शुरूआत का समय उनके लिए काफी मुश्किलों भरा रहा फिर भी वह कभी विचलित नहीं हुई। अथक प्रयासों के बाद 1950 में उन्हे मिशनरी ऑफ चैरिटी बनाने की अनुमति मिल गई। शुरूआत में इस संस्था में सिर्फ 12 लोग काम किया करते थे। आज यहाँ 4000 से भी ज्यादा नन काम कर रही हैं। मिशनरी ऑफ चैरिटी का मुख्य उद्देश्य उन लोगों की मदद करना था जिनका दुनिया में कोई नहीं है। उस समय कलकत्ता में प्लेग व कुष्ठ रोग की बीमारी अत्याधिक फैली हुई थी। लाचार गरीबों को समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। मदर टेरेसा ऐसे सभी लोगों के लिए मसीहा बनकर सामने आई और गरीब भूखों नंगों को सहारा दिया, भोजन दिया। आज के समय में 100 से ज्यादा देशों में मिशनरी ऑफ चैरिटी संस्था की शाखाएं है। कहते है कि एक बार मदर टेरेसा को पता चला कि एक गरीब परिवार कई दिनों से भूखा है। वह उस परिवार के पास जिनमे चावल लेकर पहुंचीं। मदर टेरेसा को देखकर घर की महिला खड़ी हुई और उनसे चावल लेकर बार-बार धन्यवाद देते हुए बोली मदर आप जरा बैठें। मैं अभी आई। इसके बाद वह मदर टेरेसा के दिए चावल को लेकर घर से बाहर चली गई। मदर महिला का अजीब व्यवहार देखकर असमंजस में पड़ गईं और घर के कोने में रखी टूटी कुर्सी पर बैठ गईं। कुछ देर बाद वह महिला लौटी तो चावल का पात्र खाली था। यह देखकर मदर बोलीं आप कहां गई थीं?ह्ल महिला बोली ह्यपास की झोपड़ी में एक मुस्लिम परिवार के सदस्य कई दिनों से भूखे हैं। उस परिवार में भी छोटे-छोटे बच्चे हैं। उन्हें इन चावलों की जरूरत मेरे परिवार से कहीं ज्यादा थी। इसलिए मैं आपके दिए गए चावल उन्हें दे आई हूं। टेरेसा उस गरीब मां के विशाल हृदय को देखकर अभिभूत हो गईं और बोली, धन्य है यह देश जहां के लोग स्वयं भूखे रहकर भी दूसरों की भूख मिटाने का प्रयास करते हैं। बच्चों को ईश्वर का उपहार बताने वाली मदर टेरेसा ने कई बेसहारा और मरते हुए बच्चों को गोद लिया। कहते हैं कि अनाथ बच्चों से उनके घर भरते जाते और वो नए घर खोलते जाती थी। उन्होंने गर्भपात को बच्चों के खिलाफ युद्ध बताया था। गर्भनिरोधक और गर्भपात जैसे मुद्दों का उन्होंने मुखर विरोध किया जिसकी वजह से उनकी आलोचना भी हुई और उनपर कई हमले भी हुए।अक्सर देखा गया है कि जहां सफलता होती है विवाद उसके पीछे पीछे चले आते है। मदर टेरेसा के इस निस्वार्थ भाव की दया व प्रेम को भी कुछ लोग गलत समझने लगे और उन पर आरोप लगाया गया कि वे भारत में लोगों का धर्म परिवर्तन करने की नियत से सेवा करती है। कुछ लोग उन्हें इसाई धर्म का प्रचारक भी समझते थे किंतु इन सब बातों से उपर मदर टेरेसा अपने कामों की ओर ही ध्यान लगाती थी। । लोगों की बातों में न ध्यान देते हुए उन्होंने अपने काम को ज्यादा तवच्चो दी। मदर टेरेसा का विश्वास इस बात पर था किजख्म भरने वाले हाथ प्रार्थना करने वाले होंठ से कहीं ज्यादा पवित्र है। अपने जीवन के आखरी क्षणों तक मदर टेरेसा कोलकाता में ही रही और अपने जीवन को असहाय लोगों की भलाई के लिए समर्पित किया। निरंतर बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण 5 सितंबर 1997 को उनका शरीर शांत हो गया। इनकी संस्था आज भी इनके उसूलों पर काम कर रही है। मृत्यु के 6 साल पश्चात ईसाइयों के धर्मगुरु पोप जॉन पॉल द्वितीय ने मदर टेरेसा को एक धार्मिक समारोह में धन्य घोषित किया जिसे धार्मिक शब्दावली में बीएटीफिकेसन कहा जाता है जिसके साथ ही उन्हें संत का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया। भारत के लोगों के प्रति उनके योगदान को चंद शब्दों में दशार्ना मेरे लिए मुमकिन नहीं। वो एक विदेशी होकर भी भारत के लोगों की तकलीफ को महसूस कर पाई तो क्या हम अपने देश और मानवता के लिए कुछ योगदान नहीं दे सकते? आज फिर हमारे देश और समाज को मदर टेरेसा जैसी शख्सियत की जरुरत है जो दूसरों से अपने जैसा प्यार करे और उनके दुःख दर्द को अपना समझे। मदर टेरेसा दया, प्रेम की जीती जागती मूरत थी। निसंदेह मदर टेरेसा उन सभी के लिए आदर्श है जो इनके जैसा बनना चाहते है।

संपादकीय

ब्रिक्स-विस्तार और भारत

बिक्स का विश्व फैल रहा है। आम सहमति से ब्रिक्स के विस्तार की भारत की हरी झंड़ी मिलने के बाद छह और देशों को पूर्ण सदस्य बनाया गया है। ये देश हैं-अर्जेंटिना, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्त्र। दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हुए इसके शिखर सम्मेलन में पहले यह कहा जा रहा था कि भारत उसके विस्तार के पक्ष में नहीं है। विस्तार का प्रस्ताव चीन का था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह कहते हुए कि भारत हमेशा से ब्रिक्स-विस्तार का पक्षधर रहा है और वह तो जी-20 देशों में भी अफ्रीकी यूनियन को स्थायी सीट देने का प्रस्तावक है, बाजी को पलट दिया। यहां समर्थक एवं वहां प्रस्तावक होकर उन्होंने अफ्रीकी देशों को अपना मुरीद बना लिया। खुली प्रतियोगिता में विकास की अपेक्षा करने वाला देश भारत इसमें पीछे क्यों रहता? फिर ब्रिक्स की स्थापना के मूल में वैश्विक बहुध्रुवीयता है। सदस्यों की नई आमद और नए देशों की ब्रिक्स में शामिल होने की अपेक्षाएं बहुध्रवीयता के उसके विश्वास को ठोस रूप दे रही हैं। प्रधानमंत्री का यह कहना सही है कि ब्रिक्स राष्ट्र एवं उनके मित्र देश उसकी बुनियादी धारणाओं को मजबूत करेंगे। भारत ने एक अंतरिक्षीय अनुसंधान सहयोग संगठन बनाने का प्रस्ताव किया है, जो चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता की पृष्ठभूमि में मौजू है। यह ही नहीं, बल्कि इनके अलावा भी ब्रिक्स बहुत सारे कार्यक्रम चलाने में सक्षम है। उसकी कुल जीड़ीपी वैश्विक जीड़ीपी के लिहाज से लगभग एक तिहाई से अधिक 41.6 फीसद है, 2011 में यह महज 19.6 फीसद थी। यहां याद रखने की बात है कि जी-सात देशों की कुल जीड़ीपी सिकुड़.रही है। 15वें शिखर सम्मेलन में भारत की पहल-प्रस्तावों का अनुसमर्थन भी मायनेखेज हैं। इनके साथ कुछेक क्षेत्रों में प्रधानमंत्री का भारतीय उपलब्धियों का ब्योरा देने का मकसद उनमें कारोबार सुनिश्चित करना भी था।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

मां से चंदा मामा तक का सफर

सनत जैन

भारत ने धरती से चांद तक का सफर सफलतापूर्वक तय कर लिया है। 23 अगस्त 2023 की शाम 6:02 पर चंद्रयान 3 चांद के दक्षिणी ध्रुव में पहुंच गया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और चांद की परिक्रमा करते हुए, चंद्रयान ने धरती से चांद की 3.84 लाख किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय करके सारी दुनिया को चौंका दिया है।

भारत पहला ऐसा देश बन गया है। जिसने दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने में सफलता अर्जित की है। इससे भी बड़ी सफलता की बात यह है, कि धरती से चांद की इस यात्रा में भारतीय वैज्ञानिकों ने,जिस तरह से पृथ्वी और चांद के गुरूत्वाकर्षण के बीच में समन्वय बनाने का असाधारण काम किया है। वह सारी दुनिया के लिए हैरान करने वाला है। भारत के वैज्ञानिकों ने जिस तरह से चंद्रयान-3 के लिए मिनट और सेकंड का इस्तेमाल करते हुए पल-पल की जो योजना तैयार की। विभिन्न तकनीकों के बीच समन्वय बनाने का काम किया। चांद के बारे में जानने के लिए सैटेलाइट रोबोट के माध्यम से चांद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी एकत्रित करने की दिशा में काम किया है। वह अद्वितीय है। भारत की इस कामयाबी से चांद पर अब बस्ती बनाने की दिशा में भी सोचा जा सकता है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब चांद की यात्रा भी भविष्य में सफलता पूर्वक की जा सकेगी। इसकी नई संभावनाएं खुलकर सामने आ गई हैं। चंद्रयान-3 ने यह साबित कर दिया है, कि भारतीय वैज्ञानिकों को यदि थोड़े से भी संसाधन मिलते हैं। सरकार उनके कार्यों को सुगम बनाने के लिए समय पर त्वरित निर्णय लेकर संसाधन उपलब्ध करा देती है। तो भारत के वैज्ञानिक किसी भी असंभव काम को संभव कर सकते हैं। सारी दुनिया में भारत के वैज्ञानिक अपने ज्ञान का झंडा फहरा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। भारत के धर्म शास्त्रों में ऋषि-मुनियों ने गृह, नक्षत्र एवं प्रकृति के सभी रहस्यों के बारे में तरह-तरह की जानकारी उपलब्ध है। जो भारतीय वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के रहस्य से जोड़ने में महत्वपूर्ण होती है।

भारतीय संस्थान इसरो का अगला मिशन सूर्य तक पहुंचाने का है। इसके लिए इसरो ने अपनी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली है। आदित्य एल नाम का रॉकेट का प्रक्षेपण करने की दिशा में बहुत तेजी से काम चल रहा है। सितंबर या अक्टूबर माह में सूर्य का अध्ययन करने के लिए गगनयान अभियान शुरू हो जाएगा। इसको सूर्य तक पहुंचाने के लिए कम से कम 120 दिन का समय लगेगा। चांद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचाने की परिकल्पना पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद ने की थी। उनका सपना उनके शिष्यों ने पूरा करके अपने गुरु डॉ अब्दुल कलाम आजाद को गुरु दक्षिणा दे दी है। चांद को लेकर भारतीय सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था में बहुत सारे मिथक, कथानक और कहावतें जुड़ी हुई हैं। बचपन से ही हमें चांद के बारे में सुनने को मिलता रहा है, चंदा मामा दूर के- पुडी पकाए पूरके की लोरी सुनकर भारत के बच्चे बड़े होते हैं। बच्चों की जिद को पूरा करने के लिए चंदा मामा को पानी भरी थाली में उतारकर माएं चंदा मामा से बच्चों को जोड़ने का काम करती रही हैं। चंद्रमा के बारे में वह सभी मिथक और कहावतें एक बार नए तरीके से सामने देखने को मिलेगी। पृथ्वी और चांद का रिश्ता भारत में मां और मामा का बना हुआ है। निश्चित रूप से आगे चलकर और प्रगाड़ होगा। यह आशा की जा सकती है। चंद्रयान 3 के मिशन में इसरो की पूरी टीम ने जिस तरह एकजुट होकर पूरे उत्साह के साथ इस मिशन को पूरा किया है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। अलग-अलग क्षेत्र के वैज्ञानिकों ने एक साथ मिलकर अलग-अलग ज्ञान को एक साथ जोड़कर जो सफलता हासिल की है। उससे विश्व भर में भारत का सम्मान बढ़ा है।

इस असाधारण सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिक और इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हर क्षेत्र के वैज्ञानिक और छोटे बड़े सभी व्यक्तियों की जितनी सराहना की जाए, कम है। चंद्रयान तीन की सफलता से सारी दुनिया में भारत का स्वाभिमान और विज्ञान जगत में भारत की साख बहुत बढ़ी है। सरकार को इस तरह की खोज करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयास करने चाहिए। इसरो ने बहुत कम लागत में और बहुत बड़े-बड़े काम करके सारी दुनिया में एक नया इतिहास रचा है। इसरो ने साबित कर दिया है,कि भारतीय प्रतिभाओं को यदि मौका मिलता है। तो दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत के वैज्ञानिक सर्वश्रेष्ठ हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की सोच और उनका मल्टीप्ल नॉलेज है। सारी दुनिया में उसका कोई मुकाबला नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विदेश की धरती से चंद्रयान -3 से जुड़कर जिस तरह से भारतीय वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने का काम किया है। निश्चित रूप से भारत के मुखिया होने के नाते इस सफलता का सौभाग्य उन्हें भी मिला है। इस सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बधाई के पात्र हैं।

ट्रैफिक जाम : कीटनाशकों पर कंट्रोल करें

रजनीश कपूर

देश के महानगरों में ट्रैफिक जाम होना एक आज आम बात हो गई है। अक्सर ऐसे जामों में फंस कर आप सभी ने अपना बहुमूल्य समय और ईंधन जरूर गंवाया होगा। देश में बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ-साथ जिस कदर वाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, ट्रैफिक जाम तो बढ़ेंगे ही। यातायात पुलिस हो या सड़कों पर चलने वाले आम नागरिक सभी इस समस्या से परेशान हैं। ट्रैफिक की इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए जनता और पुलिस को एक दूसरे का सहयोग करना होगा और जाम से निजात पाने के नए विकल्प ढूंढने होंगे।

पिछले दिनों अखबार में दिल्ली यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त एसएस यादव का एक बयान छपा था, जिसमें यादव ने दिल्ली पुलिस के ट्रैफिक स्टाफ को एक नए अंदाज में अपनी जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के पास यह शिकायत आ रही थी कि दिल्ली के ट्रैफिक पुलिसकर्मी बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों के चालकों से गैर-कानूनी ढंग से चालान के बदले मोटी रकम वसूल रहे थे। दिल्ली के सभी 15 जिलों को निर्देशित करते हुए यादव ने यह बात स्पष्ट कर दी कि यदि किसी भी सिपाही को ऐसी गैर-कानूनी वसूली का दोषी पाया जाएगा तो संबंधित ट्रैफिक इंस्पेक्टर सहित एसीपी व डीसीपी से भी इसका स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। इसकी रोकथाम के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किए गए। इन निरीक्षणों में यह बात भी सामने आई कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी बड़ी-बड़ी गाड़ियों को रोक कर चेक करने की मंशा से अचानक उनके आगे आ जाते हैं और उन गाड़ियों को रुकवाते हैं। अचानक ऐसा करने से न सिर्फ दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है, बल्कि जाम भी लग जाते हैं। इसलिए श्री यादव की ओर से यह एक अच्छी पहल है, परंतु ऐसे औचक निरीक्षण केवल चालान दस्ते पर ही सीमित न हों। ट्रैफिक कंट्रोल रूम में बैठने वाले टेलीफोन ऑपरेटर का भी औचक निरीक्षण होना चाहिए। दिन भर के भीड़-भाड़ वाले समय में उन्हें सबसे अधिक फोन कॉल किन-किन इलाकों से आए? क्या उन इलाकों से ऐसी कॉल रोजाना आती हैं? क्या इन कॉल को संबंधित इलाके के अधिकारियों को भेज कर ही जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? गौरतलब है कि, आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में गूगल मैप्स की मदद से हम कहीं भी जाने से पहले यह जान लेते हैं कि कितना समय लगेगा, जाम है या नहीं। ठीक उसी तरह क्या ट्रैक्कि पुलिस के अधिकारी कंट्रोल रूम में बैठ कर, गूगल मैप के जरिये जाम लगे इलाकों की सूचना संबंधित इलाके के पुलिस अफसरों को नहीं दे सकते? यदि ऐसी सूचना संबंधित अधिकारियों को मिल जाए तो उन्हें भी पता चल जाएगा कि उन पर निगरानी रखी जा रही है। उन्हें मौके पर पहुंच कर जाम को खुलवाना पड़ेगा। देश भर की ट्रैफिक पुलिस को इस सुझाव पर गौर करना चाहिए। दिल्ली या अन्य महानगरों में लगने वाले जाम का कारण क्या होता है, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। आमतौर पर देखा गया है कि सड़कों पर लगने वाले जाम के पीछे बाजार के सामने गलत पाकिृग करना, उल्टी दिशा से ट्रैफिक का आना, गलत लेन में वाहन चलाना, ट्रैफिक सिग्नल का सही से काम न करना, भीड़-भाड़ वाले समय में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का नदारद रहना, बस स्टैंड या मेट्रो स्टेशन पर ऑटो व रिक्शा की भीड़ लगना, सड़कों का रखरखाव न होना, जैसे कई कारण हैं। यह बात तो समझ आती है कि हर राज्य के पास ट्रैफिक व्यवस्था को संभलने के लिए पर्याप्त स्टाफ नहीं हैं, परंतु इसका मतलब ये नहीं है कि स्टाफ की कमी के चलते जाम को बढ़ने दिया जाए। सीमित साधनों से भी असीमित काम किए जा सकते हैं अगर मंशा ठीक हो। हर वो बाजार जो मेन रोड को जाम कर सकते हैं, वहां पर ट्रैफिक पुलिस विभाग को सिविल डिफेंस के जवानों की मदद लेनी चाहिए। जो इस बात को सुनिश्चित करें कि जो भी वाहन गक्ष्लत पाकिृग कर रहा हो वे उसे टोकें, चाहे मेगा माइक की मदद से या सीटी बजा कर। इसके बावजूद यदि वो अपना वाहन गलत ढंग से पार्क करता है तो उसकी फोटो खींच कर उसे चालान विभाग में भेजा जाए। इसके अलावा जहां पर भी संभव हो वहां पुलिस की क्रेन नियमित रूप से चक्कर लगाए। गाड़ी उठाए जाने के डर से कोई भी अपना वाहन गलत ढंग से पार्क नहीं करेगा।

इसी तरह अधिक भीड़ वाले समय पर ट्रैफिक सिग्नल का नियंत्रण किसी सिपाही के द्वारा हो तो बेहतर होगा। इसका उदाहरण तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में देखा गया। वहाँ के हर प्रमुख चौराहे पर बने ट्रैफिक संतरी पोस्ट पर ट्रैफिक सिग्नल का नियंत्रण करने वाला स्विच लगा हुआ है, जिसे वहां बैठा सिपाही वाहनों के हिसाब से चलाता है। जिस भी दिशा में जाने वाले ट्रैफिक की मात्रा अधिक होती है वहां की 'हरी बत्ती' की अवधि बढ़ाई जाती है। इस तरह बेवजह ट्रैफिक जाम नहीं होता। देश भर की ट्रैफिक पुलिस को ऐसे कुछ नायाब तरीकों की खोज करनी होगी, जिससे ट्रैफिक जाम से छुटकारा पाया जा सकेगा। वरना वाहन चालक और ट्रैफिक पुलिस एक दूसरे को ही दोष देते रहेंगे और समस्या का हल कभी नहीं निकल पाएगा॥।

कोई दूसरा नहीं ले सकेगा लाभार्थी के हिस्से का पोषाहार

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार ने प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं के तहत संचालित आंगनबाड़ी और मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत पोषाहार वितरण को और सुदृढ़ तथा पारदर्शी बनाने के लिए बायोमैट्रिक्स प्रणाली लागू किए का निर्णय लिया है। इसके तहत ई-पॉस मशीनों की स्थापना एवं संचालन के लिए उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। ई-पॉस मशीनों की स्थापना के लिए टेंडर के साथ ही ई-टेंडरिंग के माध्यम से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) तैयार करने की जिम्मेदारी यूपीडेस्को की होगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में योगी कैबिनेट ने ई-पॉस मशीनों के माध्यम से अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत पोषाहार वितरण की व्यवस्था को मंजूरी दी है। इसके माध्यम से लाभार्थी के हिस्से का पोषाहार कोई दूसरा नहीं ले सकेगा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं के तहत संचालित आंगनबाड़ी व मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों (अति कुपोषित सहित), गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं (केवल आकांक्षात्मक जनपदों में) को पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। ई-पॉस मशीन की बिड प्रक्रिया में मल्टीपल कंपोनेंटट सम्मिलित होने के कारण इसे उत्तर प्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल https://etender.up.nic.in के माध्यम से किए जाने के प्रबंध किए गए हैं। निदेशक, यूपीडेस्को की अध्यक्षता में क्रय समिति का गठन किया जाएगा।

समिति में प्रशासकीय विभाग के सदस्य के रूप में संयुक्त निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार सदस्य के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके अतिरिक्त आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा समिति में जरूरत के अनुसार अन्य विभागीय अधिकारियों एवं वित्त विभाग के प्रतिनिधि को सदस्य नामित किया जाएगा। चयनित होने वाली सिस्टम इंटीग्रेटर संस्थाओं को ई-पॉस मशीन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन, आइरिश आइडेंटिफिकेशन, फील्ड लेबल मैनपावर, तकनीकी मैनपावर, मोबाइल सिम उपलब्ध कराने होंगे। साथ ही इन सभी का 03 वर्षो तक रख-रखाव भी करना होगा। यह परियोजना सिस्टम इंटीग्रेटर आधारित बीओओ (बिल्ड, ओन, ऑपरेट) मॉडल पर संचालित की जाएगी। ई-पॉस मशीन की बिड प्रक्रिया में विभिन्न कंपोनेंट (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर आदि) सम्मिलित होंगे, जिसमें एक से अधिक सिस्टम इंटीग्रेटर्स का भी चयन संभावित है। 14 से 18 वर्ष आयु की किशोरी बालिकाएं तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाएं स्वयं बायोमैट्रिक ऑथेंटिफिकेशन हेतु सक्षम हैं, इसलिए उनके द्वारा आधार बेस्ड सत्यापन करते हुए पोषाहार प्राप्त किया जाएगा। 06 माह से 06 वर्ष के बच्चों के स्वयं के द्वारा पोषाहार न प्राप्त करते हुए उनके अभिभावकों द्वारा ही व्यवहारिक रूप से पोषाहार प्राप्त किया जाता है। ऐसे में व्यवहारिक दृष्टिकोण रखते हुए उन बच्चों के माता या पिता के आधार बेस्ड बायोमैट्रिक ऑथेंटिफिकेशन की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। इस संबंध में आदेश जारी होने के बाद विस्तृत दिशा-निर्देश निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार द्वारा यूपीडेस्को को एक सप्ताह में उपलब्ध कराया जाएगा। ई-पॉस मशीनों की स्थापना और संचालन में क्वालिटी वर्क और अनुभव को देखते हुए यूपीडेस्को को यह जिम्मेदारी दी गई है। यूपीडेस्को द्वारा प्रदेश में खाद्य एवं रसद विभाग के अंतर्गत एफपीएस आटोमेशन के लिए आरएफपी तैयार कराने, बिड कराने एवं प्रणाली की मॉनीटरिंग व बिलिंग का कार्य कार्यदायी संस्था के रूप में किया जा रहा है। इसी मॉडल के अनुसार ई-पॉस मशीनों की व्यवस्था के संबंध में यूपीडेस्को के माध्यम से सिस्टम इंटीग्रेटर संस्थाओं से अनुबंध किए गए हैं। यही नहीं, खाद्य एवं रसद विभाग में ई-पॉस मशीनों की स्थापना एवं संचालन के लिए नवीनतम तकनीकों के प्रयोग (आइरिश आइडेंटिफिकेशन, जीपीएस लोकेशन ट्रैकर, फेस आइडेंटिफिकेशन रीडर आदि) को सम्मिलित करते हुए आरएफपी तैयार कराने का कार्य भी यूपीडेस्को द्वारा किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

बिजनौर में दो बाइकों में आमने-सामने की टक्कर:तीन लोग गंभीर रूप से घायल, हायर सेंटर रेफर

संवाददाता

बिजनौर । स्योहारा क्षेत्र में धामपुर रोड पर उस वक्त दर्दनाक हादसा हो गया जब दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां तीनों की गंभीर हालत देखते हुए डाक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। दरअसल यह दर्दनाक हादसा बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के धामपुर रोड पर गांव झिल्ला के पास हुआ। स्योहारा के बसंतगढ़ के रहने वाले अरविंद सैनी पुत्र जयप्रकाश सैनी व उसका साथी विपिन पुत्र रोहतास सैनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जैसे ही बाइक ग्राम झिल्ला के पास पहुंची तभी सामने से आ रही एक बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में अरविंद और विपिन और दूसरी बाइक पर सवार सुहेल गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जहां तीनों की गंभीर हालत देखते हुए डक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। दोनों बाइकों की टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए।

चार महीने की गर्भवती पत्नी को बैठाकर गंगा में कूदा दी कार

अमरोहा । पैसों को लेकर पिता से विवाद के बाद युवक अपनी गर्भवती पत्नी को कार से लेकर निकला। पहले पिता, बहन और मां को टक्कर मारी। इसके बाद करीब 80-90 की स्पीड में पत्नी समेत कार लेकर गंगा नदी में कूद गया। नदी में तेजी से गिरती कार देख लोगों ने शोर मचाया। लेकिन कुछ सेकेंडों में ही कार तेज बहाव में बहकर गायब हो गई। घटना के बाद रात में सीओ, एसडीएम समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। पति-पत्नी और कार की तलाश करने के लिए पीएसी ने फ्लड लाइट में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। शुक्रवार सुबह करीब 10 किमी दूर पति का शव बरामद हो गया। जबकि पत्नी और कार की तलाश जारी है। वारदात गजरौला इलाके के सीकरी खादर गांव की है। यहां साबिर अपने परिवार के साथ रहता है। साबिर के 2 बेटे 4 बेटियां हैं। इनमें 22 साल का शाने आलम घर का बड़ा बेटा था। शाने आलम गांव की दुकान में टेलर का काम करता था। 5 महीने पहले ही शादी पास के ही गांव कसेरुआ निवासी नाजिया से हुई थी। नाजिया इस वक्त 4 महीने की गर्भवती थी। पड़ोस में रहने वाले युवक ने बताया कि गुरुवार शाम शाने आलम का अपने पिता साबिर से रुपयों को लेकर विवाद हुआ। काफी देर दोनों में लड़ाई होती रही। आसपास के लोगों ने समझाया, लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि शाने आलम ने जान देने की धमकी दी। वह गुस्से में पत्नी नाजिया को अपनी वैगन-आर कार में बिठाकर रात करीब 8 बजे घर से निकलने लगा।

गांवों में पत्रकारों को सशक्त बनाना: पारदर्शी विकास के लिए सूचना का अधिकार, गेम-चेंजर हो सकता है

संस्कार उजाला

पत्रकारिता समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत के गांवों के संदर्भ में, सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के ज्ञान के साथ पत्रकारों को सशक्त बनाना गेम-चेंजर हो सकता है। इस लेख का उद्देश्य विकास कार्यों की जांच करने, भ्रष्टाचार को उजागर करने और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देने के लिए आरटीआई अधिनियम का उपयोग करने पर एक विस्तृत मार्गदर्शिका प्रदान करना है। सूचना की शक्ति का उपयोग करके, पत्रकार सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और अपने समुदायों की प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

1. सूचना का अधिकार अधिनियम को समझना: आरटीआई अधिनियम प्रत्येक नागरिक को सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा रखी गई जानकारी तक पहुंचने का अधिकार देता है। अधिनियम के प्रावधानों से खुद को परिचित करें, जिसमें मांगी जा सकने वाली जानकारी के प्रकार, छूट और आरटीआई आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया शामिल है।
2. स्थानीय समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करना: स्थानीय समुदाय को आरटीआई अधिनियम के तहत उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें। विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में अधिनियम के महत्व और इसकी क्षमता को समझाने के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार या जागरूकता अभियान आयोजित करें।
3. प्रासंगिक विकास परियोजनाओं की पहचान करना: अपने क्षेत्र में उन विकास परियोजनाओं की पहचान करें जो भ्रष्टाचार या कुप्रबंधन के प्रति संवेदनशील हो सकती हैं। बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कल्याण योजनाओं जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जो सीधे ग्रामीणों के जीवन को प्रभावित करते हैं।
4. प्रभावी आरटीआई आवेदन तैयार करना: प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अच्छी तरह से तैयार किए गए आरटीआई आवेदन तैयार करना महत्वपूर्ण है। पत्रकारों और नागरिकों को विशिष्ट, संक्षिप्त और केंद्रित प्रश्न पूछने में मार्गदर्शन करें। उपयोग की गई भाषा में स्पष्टता और सटीकता के महत्व को समझाएं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रश्न वांछित जानकारी को लक्षित करते हैं।
5. लगन से पालन करें: एक बार आरटीआई आवेदन दायर करने के बाद, पत्रकारों को सक्रिय रूप से संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क करना चाहिए। आवेदन की प्रगति की निगरानी करें और अधिनियम में निर्दिष्ट समयसीमा का पालन करें। यदि देरी या गैर-अनुपालन होता है, तो प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई करें।
6. जानकारी का विश्लेषण और सत्यापन: आरटीआई के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने पर सटीकता के लिए उसका गहन विश्लेषण और क्रॉस-चेक करें। अतिरिक्त स्रोतों की तलाश करें, साक्षात्कार आयोजित करें और प्राप्त डेटा को मान्य करने के लिए सहायक साक्ष्य इकट्ठा करें। विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए तथ्य-जांच और सत्यापन महत्वपूर्ण हैं।
7. जांच करना और रिपोर्ट करना: खोजी पत्रकारिता शुरू करने के लिए आरटीआई के माध्यम से प्राप्त जानकारी का उपयोग करें। विकास परियोजनाओं में अनियमितताओं, विसंगतियों या भ्रष्टाचार के मामलों का पता लगाना। अपने निष्कर्षों को साक्ष्यों के साथ संतुलित और वस्तुनिष्ठ तरीके से प्रस्तुत करें। समुदाय पर भ्रष्टाचार और अनाचार के प्रभाव पर प्रकाश डालें।
8. स्रोतों की सुरक्षा: एक खोजी पत्रकार के रूप में, अपने स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। गोपनीयता बनाए रखें और विश्वास बनाएं. आपके स्रोतों की पहचान की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे आपको भ्रष्टाचार या कदाचार से संबंधित संवेदनशील जानकारी प्रदान कर सकते हैं।
9. सहयोग और नेटवर्किंग: आरटीआई और भ्रष्टाचार विरोधी क्षेत्र में काम करने वाले अन्य पत्रकारों, संगठनों और कार्यकताओं के साथ गठबंधन बनाएं। संयुक्त जांच में सहयोग करें, अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा करें, और अधिक प्रभावशाली पत्रकारिता के लिए सामूहिक ज्ञान का लाभ उठाएं।
10. डिजिटल उपकरणों का उपयोग: अपनी जांच को बढ़ाने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रौद्योगिकी को अपनाएं। अपने निष्कर्षों को साझा करने, जागरूकता बढ़ाने और समर्थन जुटाने के लिए सोशल मीडिया, वेबसाइटों और ऑनलाइन मंचों का उपयोग करें। जटिल जानकारी को सुलभ तरीके से प्रस्तुत करने के लिए डेटा विजुअलाइजेशन टूल का लाभ उठाएं। छोटे भारतीय गांवों में पत्रकारों को आरटीआई अधिनियम की जानकारी देकर सशक्त बनाकर, हम पारदर्शी विकास की संभावनाओं को खोल सकते हैं और भ्रष्टाचार को उजागर कर सकते हैं। परिश्रमी जांच, सटीक रिपोर्टिंग और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से, पत्रकार जवाबदेह शासन और बेहतर जीवन स्थितियों में योगदान दे सकते हैं। सूचना की शक्ति का लाभ उठाकर, ये पत्रकार अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव के लिए उत्प्रेरक बन सकते हैं।

बिजनौर: कावड़ यात्रियों से भरा ट्रक पलटा

जेनरेटर के नीचे दबकर एक श्रद्धालु की मौत, 12 युवक घायल, एक की हालत गंभीर

संवाददाता

बिजनौर । कोतवाली देहात इलाके में तेज रफ्तार कवाड़ यात्रियों से भरा ट्रक सड़क पर पलट गया। हादसे में जनरेटर के नीचे दबकर एक कावड़ यात्री की मौत हो गई। जबकि एक दर्जन से ज्यादा घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी कावड़ यात्री बरेली से हरिद्वार जल लेने जा रहे थे दरअसल यह दर्दनाक हादसा बिजनौर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हरिद्वार रोड पर रोशनपुर बाईपास पर शुक्रवार को उस वक्त

हुआ जब बरेली से 33 कावड़ यात्रियों का जत्था ट्रक में सवार होकर हरिद्वार से जल लेने के लिए जा रहा था। जैसे ही डीसीएम ट्रक कोतवाली देहात के पास पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में जनरेटर के नीचे दबने से बरेली के कंदरा कोटरी के रहने वाले महेश पाल (28) पुत्र केदार की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक दर्जन कावड़ यात्री हादसे में घायल हो गए। घायलों में आदर्श पुत्र श्री राम ,शिव भोले पुत्र ओमप्रकाश ,बाबू पुत्र माखनलाल ,अरुण पुत्र छत्रपाल ,गौरव पुत्र ओंकार ,सोनू पुत्र बुद्ध सेन ,अनुज पुत्र धर्मपाल ,नरेश पुत्र हरिराम ,विजय पुत्र श्री राम ,रवि पुत्र सुंदरलाल ,आदि घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जहां पीलीभीत के रहने वाले बिट्टू उम्र 23 वर्ष पुत्र रोहतास की हालत गंभीर बनी हुई है। ट्रक में सवार अन्य कांवड़ यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर मोबाइल देख रहा था जिसके चलते उसका गाड़ी से संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

जनसहयोग से ही सफल होगी सेफ सिटी परियोजना: सीएम

● व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, चौक-चौराहों, सरकारी व निजी अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी लगाए जाएं: मुख्यमंत्री ● आम जन चाहें तो अपने पास रखें सीसीटीवी फुटेज, पर जरूरत पर पुलिस को देना होगा अनिवार्य ● 18 सेफ सिटी वाला देश का पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री ● प्रथम चरण में सभी 17 नगर निगम और गौतमबुद्ध नगर बनेंगे सेफ सिटी', दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिकाओं और तीसरे चरण में 143 नगर पालिकाओं को सेफ सिटी परियोजना से जोड़ा जाएगा ● मुख्यमंत्री ने की सेफ सिटी परियोजना के प्रगति की समीक्षा ● एक सप्ताह में हर पुलिस थाने को करें सीसीटीवी से लैस: मुख्यमंत्री ● मुख्यमंत्री का निर्देश, सार्वजनिक परिवहन वाले सभी वाहन चालकों का होगा पुलिस सत्यापन

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 'सेफ सिटी परियोजना' की सफलता में जनसहयोग का आह्वान किया है। शुक्रवार को 'सेफ सिटी परियोजना' के प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, चौक-चौराहों, सरकारी व निजी अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी लगाए जाएं। आम जन, व्यापारियों, संस्थान संचालकों को जागरूक कर उन्हें क्राइम कंट्रोल में सीसीटीवी के महत्व को बताया जाए और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अपनी सुविधानुसार अपने सीसीटीवी फुटेज का डेटा अपने पास ही सुरक्षित रख सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर फुटेज केवल पुलिस को ही उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, जहां आवश्यकता हो, वहां नगर निगम, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अथवा स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा सीसीटीवी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अगले 01 सप्ताह के भीतर सभी पुलिस थानों को सीसीटीवी से लैस करने के निर्देश भी दिए हैं। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के संकल्प की पूर्ति में "सेफ सिटी परियोजना" अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मॉडर्न कंट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, महिला थानों में परामर्शदाताओं के लिए हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन व अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। अब हमें इसे और विस्तार देना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अंतर्विभागीय समन्वय के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन करते हुए प्रथम चरण में सभी 17 नगर निगमों और गौतमबुद्ध नगर को 'सेफ सिटी' के रूप में विकसित किया जाना है। जबकि दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिकाओं और फिर तीसरे चरण में 143 नगर पालिकाओं को सेफ सिटी परियोजना से जोड़ा जाए। ऐसे सभी नगरों के प्रवेश द्वार पर 'सेफ सिटी' का बोर्ड लगा कर इसकी विशिष्ट ब्रांडिंग भी की जानी चाहिए। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक सेफ सिटी वाला देश पहला राज्य हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सेफ सिटी परियोजना महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित है। हमें इसे विस्तार देते हुए बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांग जनों की सुरक्षा से भी जोड़ना चाहिए। सेफ सिटी के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांग जनों के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सशक्त वातावरण बनाने की मुहिम को आवश्यक तेजी मिलेगी। बैठक में विभिन्न संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव गणों ने सेफ सिटी परियोजना को लेकर अब तक की प्रगति की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अब तक आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर व वाराणसी स्मार्ट सिटी में पुलिस ने 9396 स्थानों को सीसीटीवी लगाए जाने के लिए चिन्हित किया है, इसमें से अब तक 3489 जगहों पर कैमरे लगाए जा चुके हैं। अयोध्या, गोरखपुर, फिरोजाबाद, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर, मेरठ और गाजियाबाद में चिन्हित 7600 से अधिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं। इसके लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने 'यूपी सेफ सिटी एप' के बारे में एक प्रस्तुतिकरण भी देखा और इसे व्यवहारिक बनाए जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा की प्रत्येक माह में एक बार जनपद स्तर पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांगजन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करें। उनकी समस्याएं सुनें, यथोचित समाधान करें। सफल महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगजन की पहचान कर उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करें। यह प्रयास अन्य लोगों के लिए प्रेरक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेफ सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सार्वजनिक परिवहन वाले वाहन के चालकों का सत्यापन आवश्यक है। ऐसे में, टैक्सी, ई-रिक्शा, ऑटो, टेम्पो आदि वाहन के चालकों का विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन किया

पराली से होगी किसानों की कमाई

संवाददाता

लखनऊ। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल क्रमशः धान और गेहूं की कटाई के बाद अमूमन अगली फसल की तैयारी के लिए किसान इन फसलों के अवशेष पराली ठूंठ को जलाते हैं। हालांकि जागरूकता और सख्ती के कारण इसमें खासी कमी आई है, पर योगी सरकार इस पराली को किसानों की आय का जरिया बनाकर इस समस्या का स्थायी हल चाहती है। पिछले साल (2022) जैव ऊर्जा नीति से इसकी भूमिका तैयार हो गई थी। चंद रोज पहले हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में इसकी प्रक्रिया भी तय कर दी गई। निकट भविष्य में इसके कई लाभ होंगे। एक तो पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण का स्थायी हल निकलेगा। साथ ही पराली किसानों की आय का जरिया बनेगी। पराली को बायोडीजल में प्रसंस्कृत करने के लिए हर जिले में लगने वाली इकाइयों के अलावा स्थानीय स्तर पर कलेक्शन, लोडिंग, अनलोडिंग और ट्रांसपोर्टेशन पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रही बाजार की बात तो हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम एवम प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाई स्पीड डीजल के साथ बायोडीजल के मिश्रण संबधी निर्देश भी जारी किए हैं। इससे तैयार बायोडीजल को बड़ा बाजार उपलब्ध होगा। कैबिनेट की बैठक पर जितना जल्दी अमल होगा उतना ही उप्र के किसानों को लाभ भी होगा। उल्लेखनीय है कि कैबिनेट की बैठक में बायोडीजल के उत्पादन और बिक्री की प्रक्रिया तय की गई है। इसके अनुसार उत्पादन की अनुमति उत्तर प्रदेश नवीन एवम नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (यूपी नेडा) देगा। स्थानीय स्तर पर संबंधित जिले के जिलाधिकारी बिक्री के बावत लाइसेंस देंगे। इसके पूर्व 20222 में सरकार जैव ऊर्जा नीति भी ला चुकी है। इस नीति में बायोफ्यूल को बढ़ावा देने को लेकर कई तथ्यों का उल्लेख है।

संस्कार उजाला

दिल्ली पुलिस की सलाह, 8 से 10 सितंबर तक मेट्रो का करें उपयोग; बसों की आवाजाही रहेगी प्रतिबंधित

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को लोगों को जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान यात्रा के लिए मेट्रो का उपयोग करने की सलाह दी क्योंकि लुटियंस दिल्ली में जहां शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल स्थित हैं, बसों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। प्रतिबंध आदेश सात सितंबर की मध्यरात्रि से लागू होगा और 10 सितंबर की मध्यरात्रि तक रहेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त, यातायात, एसएस यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर एक वर्चुअल हेल्पडेस्क लॉन्च किया जाएगा, जो उपलब्ध परिवहन सुविधाओं और आस-पास की चिकित्सा सुविधाओं की सूची देगा। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस आवाजाही या आवश्यक सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, नई दिल्ली क्षेत्र में सिटी बसों के चलने पर प्रतिबंध होगा। लेकिन दिल्ली मेट्रो पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे आने-जाने के लिए मेट्रो का उपयोग करें।

दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत के आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे की मांग को लेकर सिविल लाइन स्थित उनके आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इनमें बड़ी संख्या में भाजपा की महिला कार्यकर्ता और कई बड़े पदाधिकारी भी शामिल हुए। दरअसल, भाजपा किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित दिल्ली सरकार के पूर्व अधिकारी के साथ मंत्री की संलिप्तता का आरोप लगा रही है।दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को ही प्रेस वार्ता कर आह्वान किया था कि कार्यकर्ता कैलाश गहलोत के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। सिविल लाइन स्थित मंत्री कैलाश गहलोत के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे भाजपा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस पूरे मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने उस अधिकारी को आगे बढ़ाया और प्रमोशन दिया, जिसने महीनों तक एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। 13 अगस्त को इस व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज हुई थी लेकिन दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब मामला मीडिया में आया तब उस अधिकारी को बर्खास्त किया गया।

जी20 के दौरान बंद रहेंगे सरकारी, निजी दफ्तर और स्कूल कॉलेज

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अनुमति के बाद राजधानी में 8 से 10 सिंतबर के बीच जी20 शिखर सम्मेलन को देखते हुए सभी सरकारी व निजी दफ्तर और शिक्षण संस्थान (स्कूल, कॉलेज व अन्य) बंद रहेंगे। नई दिल्ली जिला पुलिस क्षेत्र में सभी बैंक, वाणिज्यिक संस्थान और दुकानें बंद रहेंगी।

दिल्ली सरकार ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी कर दी है। जी20 सम्मेलन शुक्रवार, शनिवार और रविवार का दिन है। अधिसूचना के मुताबिक जहां इन दिनों जिन सरकारी व निजी दफ्तरों व शिक्षण संस्थानों में अवकाश नहीं रहता, वहां अवकाश होगा। इसके अलावा नई दिल्ली पुलिस क्षेत्र में सभी दुकानें, वाणिज्यिक संस्थान और बैंक बंद रहेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कल इस संबंध में आए प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इसके बाद यह फाइल उप राज्यपाल को भेजी गई थी, जिनकी अनुमति के बाद आज अधिसूचना जारी की गई।

मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने दी राहत, नया बैंक खाता खोलकर सैलरी निकालने की दी इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को नया बैंक अकाउंट को नया बैंक अकाउंट खोलकर सैलरी निकालने की अनुमति दे दी है।

सिसोदिया को शराब घोटाला में सीबीआई और ईडी दोनों जांच एजेंसियों द्वारा आरोपित बनाया गया है। सिसोदिया के सभी खाते जांच एजेंसियों ने सीज किए हुए हैं। मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। सिसोदिया ने हाल ही में चिकित्सा और अन्य खर्चों के लिए बैंक खाते से कुछ रकम निकालने की अनुमति मांगी थी। सिसोदिया ने नया बैंक खाता खोलने की आनुमति मांगी थी। मनीष सिसोदिया ने कोर्ट को कहा था कि उनकी पत्नी की तबियत खराब है, उनका अस्पताल में इलाज जारी है। उनके इलाज के लिए और घर खर्च के लिए पैसे की जरूरत है। लेकिन ईडी ने उनका बैंक अकाउंट फ्रिज किया हुआ है। जिसके चलते पैसे निकाल नहीं जा सकते। ऐसे में पत्नी की बीमारी और घर खर्च के लिए पैसे देने में वह असमर्थ हैं।

दिल्ली के ओखला में बेसमेंट की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत, छह घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के ओखला फेज-2 इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट की दीवार गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने यह जानकारी दी।

डीएफएस के अनुसार इमारत के मलबे से करीब 13 लोगों को बाहर निकाला गया। वहां फंसे 13 लोगों में से आठ लोगों को चोटें आईं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

धरती के भगवान ने दिया जीवनदान: कैंसर पीड़िता की भरी गोद, जच्चा-बच्चा सुरक्षित; डॉक्टर बोले- दुर्लभ है ये मामला

नई दिल्ली। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पीड़ित गर्भवती महिला को डॉक्टरों ने पुनर्जीवन दिया। साथ ही उनके नवजात की जिंदगी बचाई। दरअसल, दिल्ली के एक निजी अस्पताल के कैंसर सेंटर (एसीसी) में मिजोरम निवासी 39 वर्षीय मरिना सीएच राल्टे आई। यहां गर्भावस्था के 16वें हफ्ते में जांच के दौरान पता चला कि वह कैंसर से पीड़ित है। जांच में सात सेंटीमीटर लंबे ट्यूमर की पहचान हुई।

महिला की जांच के लिए बहुस्तरीय चिकित्सीय टीम तैयार की। इस टीम में मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ और विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट को शामिल किया। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि एक तरफ महिला का कैंसर और दूसरी ओर गर्भावस्था थी।

कैंसर की रोकथाम के साथ भ्रूण को सुरक्षित रखना था। मेडिकल टीम ने बच्चे की सुरक्षित डिलीवरी के लिए एक योजना बनाई और 37वें सप्ताह में लोअर सेगमेंट सिजेरियन सेक्शन (एलएससीएस) के जरिए एक स्वस्थ बच्ची का जन्म हुआ। सफल डिलीवरी के बाद रोगी को कीमो और रेडिएशन थेरेपी जारी रही और फिर ब्रैकीथेरेपी की गई, जो उपचार का एक विशेष रूप है जिसके तहत रेडिएशन थेरेपी को सीधे कैंसर स्थल पर पहुंचाते हैं।

इस बारे में डॉ. पीके दास ने कहा कि यह मामला वास्तव में असाधारण था, जिसके लिए एक बहु-विषयक टीम की जरूरत होती है।

हमारी प्राथमिकता मां और बच्चे दोनों को सुरक्षित रखना था। हम बार बार यही देख रहे थे कि कहीं दवाओं से गर्भ में शिशु को कोई नुकसान तो नहीं पहुंच रहा। डॉ. मनो भदौरिया ने कहा कि कैंसर के साथ गर्भावस्था काफी दुर्लभ मामला है। ऐसे मामले काफी चुनौतीपूर्ण होते हैं क्योंकि कभी-कभी मेडिकल टर्मिनेशन संभव नहीं होता।

7800 करोड़ के हथियारों की खरीद को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 7800 करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को आज स्वीकृति प्रदान की जिसमें हेलीकॉप्टरों पर इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, थल सेना की मानव रहित निगरानी एवं रसद परिवहन की स्वायत्त प्रणाली एवं नौसेना के हेलीकॉप्टरों को नये हथियारों से लैस करने के प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भारतीय वायु की दक्षता बढ़ाने के लिए फोर्स, डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद और फिट करने के लिए एओएन प्रदान किया, जो हेलीकॉप्टरों की क्षमता को बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना यानी इन्फैन्ट्री और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए भी एओएन प्रदान किया है जो मानवरहित निगरानी, ??गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों में बेहतर काम करने में सक्षम होगा। 7.62×51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) और ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) की खरीद के प्रस्ताव को भी डीएसी द्वारा आगे बढ़ा दिया गया है जहां एलएमजी के शामिल होने से पैदल सेना बलों की लड़ने की क्षमता में वृद्धि होगी, वहीं बीएलटी के शामिल होने से मशीनीकृत बलों की आवाजाही में तेजी आएगी। प्रोजेक्ट शक्ति के तहत भारतीय सेना के लिए मजबूत लैपटॉप और टैबलेट की खरीद के लिए एओएन भी प्रदान किया गया है।

जून में एनपीएस में जुड़े 54 हजार से अधिक कर्मी

नई दिल्ली। मौजूदा वर्ष के जून में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) में 54 हजार से अधिक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में 10 लाख से अधिक और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में 15 लाख से अधिक कर्मी शामिल किये गये हैं। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां जारी आंकड़ों में बताया कि जून 2023 में एनपीएस में कुल 54 हजार 715 कर्मचारी शामिल हुए हैं। इनमें केंद्र सरकार में 8398, राज्य सरकारों में 18 हजार 661 और गैर सरकारी संस्थानों में 14 हजार 395 कर्मचारी जोड़े गये हैं।वि

15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के मामले में डीसीडब्ल्यू ने पुलिस को नोटिस दिया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने 15 साल की एक लड़की से रेप के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। डीसीडब्ल्यू को लड़की के पिता से शिकायत मिली, जिन्होंने डीसीडब्ल्यू को बताया कि वह अपने परिवार के साथ मदनगीर, अंबेडकर नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया है कि 23 अप्रैल, 2023 की रात में उनकी बेटी लापता हो गई और जब उन्होंने दिल्ली पुलिस के सामने शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें सुबह तक इंतजार करने के लिए कहा गया।

सुबह बच्ची वापस आई तो उसने बताया कि वह छत पर सो रही थी। पिता ने बताया है कि घटना के बाद लड़की का व्यवहार एकदम से बदल गया और वह शांत और अलग-थलग रहने लगी। विशेषज्ञों द्वारा उसकी काउंसलिंग भी करवायी गयी लेकिन समय के साथ उसकी हालत बिगड़ती गई और उसको पैनिक अटैक आने लगे। 17 अगस्त को लड़की को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पता चला कि वह 3-4 महीने की गर्भवती है। काउंसलिंग के दौरान पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने 23अप्रैल, 2023 की रात में उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया था।

शिकायतकर्ता ने कहा है कि आरोपित ने लड़की को धमकी दी थी कि वह घटना के बारे में किसी को न बताए अन्यथा वह उसके परिवार को मार डालेगा। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया है कि उनकी बेटी का पहले भी अक्टूबर-2018 से जनवरी-2019 तक संगम विहार में उसके घर की इमारत में रहने वाले एक अन्य व्यक्ति द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया था। डीसीडब्ल्यू को सूचित किया गया है कि मामले में अंबेडकर नगर थाने में आईपीसी की धारा 376 और 6 पॉस्को के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, एफआईआर में केवल एक आरोपित का उल्लेख है, अन्य का नहीं। डीसीडब्ल्यू को यह भी बताया गया कि अब तक पीड़िता का 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज नहीं किया गया है। बच्ची फिलहाल एक सरकारी अस्पताल में भर्ती है।

उधर, डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सदस्य वंदना सिंह के साथ मंगलवार को अस्पताल का दौरा किया और लड़की और उसके परिवार से मिलीं। उसके बाद स्वाति ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। डीसीडब्ल्यू ने मामले में गिरफ्तार आरोपितों का विवरण और लड़की के पिता द्वारा बताए गए अन्य आरोपितों को गिरफ्तार न करने की वजह पूछी है। डीसीडब्ल्यू ने 164 सीआरपीसी के तहत पीड़िता का बयान तत्काल दर्ज करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है।

दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत 74वीं ट्रेन द्वारकाधीश के लिए रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत दिल्ली से 74वीं तीर्थ यात्रा ट्रेन 780 बुजुर्गों को लेकर श्री द्वारकाधीश के दर्शन कराने के लिए रवाना हुई। सभी तीर्थ यात्रियों के लिए त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री आतिशी ने यहां पहुंचकर तीर्थ-यात्रियों से मुलाकात की और उन्हें यात्रा टिकट व किट सौंपी।

इस मौके पर आतिशी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि दिल्ली के अपने बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा पर भेज कर उनका प्यार, सान्निध्य और पुण्य कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासी बहुत भाग्यशाली हैं, उनके बेटे अरविंद केजरीवाल ने अपने हर बुजुर्ग को तीर्थ यात्रा कराने की जिम्मेदारी ली है।दिल्ली के बुजुर्गों के लिए श्रवण कुमार की भूमिका में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अबतक दिल्ली से 73 ट्रेनों के माध्यम से लगभग 72 हजार बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा पर भेजे हैं और उनका वादा है कि चाहे कितनी भी बाधाएं आ जायें लेकिन वो बुजुर्गों के लिए तीर्थ-यात्रा का सिलसिला रुकने नहीं देंगे। दिल्ली के हर बुजुर्ग को तीर्थ यात्रा करवाएंगे। आतिशी ने तीर्थ-यात्रियों को उनकी यात्रा के लिए मंगलकामनाएं दीं और अपील की कि यात्रा के दौरान आप सभी अच्छे से दर्शन करें और भगवान श्रीकृष्ण से देश और दिल्ली की तरक्की की कामना जरूर करें।

इन तीर्थ स्थलों का दर्शन कराती है दिल्ली सरकार

दिल्ली सरकार रामेश्वरम्, द्वारकाधीश, सोमनाथ, नागेश्वरम्, जगन्नाथपुरी, बाबा महाकाल, शिरडी में तमकेश्वरम्, तिरुपति बालाजी, अयोध्या, माता वैष्णोदेवी, पुष्कर, फतेहपुर सीकरी, अमृतसर में स्वर्ण मंदिर, करतारपुर साहिब, मथुरा-वृंदावन और हरिद्वार के दर्शन अपने खर्चे पर करवाती है। पात्र यात्री अपनी मन पसंद यात्रा को चुन सकते हैं।

दिल्ली सरकार तीर्थयात्रियों की पूरी यात्रा का उठाती है खर्च

इन यात्राओं में भाग लेने के लिए सभी तीर्थ यात्रियों को ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन करना होता है। आवेदनों की जांच पड़ताल के बाद दिल्ली सरकार इच्छित तीर्थ स्थलों तक उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए वातानुकूलित ट्रेनों की व्यवस्था करती है। दिल्ली सरकार तीर्थ यात्रियों को उनके घर से रेलवे स्टेशन तक और वापस घर पहुंचाने तक के लिए परिवहन की जिम्मेदारी लेती है। साथ ही, उनके होटल पहुंचने के बाद तीर्थ स्थलों तक और वहां से स्थानीय यात्रा की व्यवस्था भी करती है।यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को अच्छे होटलों में रहने के साथ भोजन और नाश्ते की व्यवस्था करती है। इसके अलावा, हर तीर्थयात्री को एक किट दी जाती है, जिसमें बेडशीट, छाता, कंबल, तौलिया और स्नान किट समेत अन्य जरूरी वस्तुएं होती हैं, ताकि उनको यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मृत्यु पूर्व दिया गया बयान विश्वसनीय होना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक बेटे और दो भाइयों की हत्या के मामले में आठ वर्षों से जेल में बंद उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी व्यक्ति की दोषसिद्धि और मौत की सजा रद्द कर उसे तत्काल रिहा करने का गुरुवार को आदेश दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह फैसला सुनाया।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मृत्यु पूर्व दिए गए बयान की सत्यता पर संदेह होने की स्थिति में वह बयान दोषसिद्धि का एकमात्र आधार नहीं हो सकता, इसे केवल साक्ष्य का एक हिस्सा माना जा सकता है। शीर्ष अदालत की पीठ ने अपने 36 पन्नों के फैसले में कहा, ÷मरने से पहले दिया गया बयान सच होने का अनुमान रखते हुए पूरी तरह से विश्वसनीय होना चाहिए और आत्मविश्वास जगाने वाला होना चाहिए। जहां इसकी सत्यता पर कोई संदेह है या रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य से पता चलता है कि मरने से पहले दिया गया बयान सच नहीं है, इसे केवल साक्ष्य के एक टुकड़े के रूप में माना जाएगा, लेकिन यह अकेले दोषसिद्धि का आधार नहीं हो सकता है।

शीर्ष अदालत ने एक बेटे और दो भाइयों को जलाने के आरोप से इरफान को यह कहते हुए बरी कर 'जीवनदान' दिया कि दो पीड़ितों के मरने से पहले दिए गए बयान प्रमुख गवाहों की गवाही से मेल नहीं खाते थे। बेटे और भाई 2014 में इरफान की दूसरी शादी करने के कथित तौर पर खिलाफ थे। जलाने की यह घटना 5-6 अगस्त?? 2014 की दरमियानी रात को इरफान के बिजनोर स्थित घर पर हुई थी।

इरफान पर अपने बेटे इस्लामुद्दीन और दो भाइयों इरशाद और नौशाद की मौत में उसकी कथित भूमिका के लिए निचली अदालत ने दोष सिद्धि के बाद उसे मौत की सजा सुनाई गई थी।

शीर्ष अदालत ने इरफ़ान की अपील को स्वीकार करते हुए परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर निर्भर मामले में मृत्यु पूर्व दिए गए बयानों की विश्वसनीयता पर कानूनी स्थिति,भारतीय और विदेशी दोनों तरह के फैसलों का हवाला दिया है।

एड्स का कलंक मिटाने की आवश्यकता : प्रो. बघेल

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने एड्स- एचआईवी का सामाजिक कलंक मिटाने पर जोर देते हुए कहा है कि दृढ़ संकल्प और सर्मपण के साथ इससे लड़ा जा सकता हैं। प्रो. बघेल ने उत्तर प्रदेश के आगरा में राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के परियोजना निदेशकों के साथ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि एचआईवी एड्स रोगियों का सामाजिक कलंक मिटाने पर बल दिया जाना चाहिए। उन्होंने एचआईवी एवं एड्स और एसटीडी (यौन संचारित रोग) की निदान प्रतिक्रिया को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एड्स टोल-फ्री हेल्पलाइन, आजीवन मुफ्त एआरटी सेवाएं, एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए मुफ्त आजीवन एंटीरेट्रोवायरल (एआरवी) दवाएं, निशुल्क पालन परामर्श, नैदानिक ????और निगरानी सेवाएं जैसे बेसलाइन प्रयोगशाला जांच, सीडी 4 काउंट परीक्षण,और पीएलएचआईवी के लिए नियमित वायरल लोड मॉनिटरिंग आदि कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एड्स और एचआईवी पीड़ितों के खिलाफ भेदभाव को कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार ने प्रतिष्ठानों के लिए एचआईवी और एड्स नीति 2022 अधिसूचित की है।केंद्रीय राज्य मंत्री ने सटीक जांच और उपचार पर जोर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि देखभाल सेवाएं देश के दूरदराज के हिस्सों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति परीक्षण के लिए सहमति नहीं देता है, वह पूरे समाज को नुकसान पहुंचा रहा है, क्योंकि वह बीमारी फैला सकता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी-एड्स से जुड़े मिथकों को दूर करना बहुत महत्वपूर्ण है और समग्र रूप से समाज के बारे में सोचने और अपना परीक्षण कराने की जरूरत है। एचआईवी- एड्स रोगियों को भी उसी तरह सहायता करने की आवश्यकता है जैसे अन्य रोगियों को हैं।दो दिवसीय बैठक 24 और 25 अगस्त को आगरा में आयोजित की जा रही है। बैठक का उद्देश्य 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एचआईवी- एड्स को समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य का हिस्सा बनना है। राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) वर्तमान में पांचवें चरण में है, जिसका उद्देश्य नए एचआईवी संक्रमणों के साथ-साथ एड्स से संबंधित मृत्यु दर को कम करना और समाज में एचआईवी-एड्स से संबंधित कलंक को खत्म करना है।

किसानों के धरने को हुए 100 दिन

संवाददाता
गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसान सभा द्वारा चलाए जा रहे महापड़ाव को आज पूरे 100 दिन हो गए हैं परंतु किसानों को अभी भी अपनी समस्याओं के समाधान का इंतजार है।धरने के आज 100वें दिन अध्यक्षता जगदीश नंबरदार ने व संचालन सतीश यादव ने किया।किसान सभा के प्रवक्ता डॉ रुपेश वर्मा ने बताया कि धरने के 100 दिन गुजर जाने के बाद भी किसानो की समस्याएं जस की तस हैं किसानों के चार प्रमुख मुद्दे जिनमें सभी किसानों को 10% विकसित प्लॉट, प्रभावित परिवारों के युवाओं को रोजगार, भूमिहीनों के लिए 40 वर्ग मीटर का प्लॉट व नए भूमि अधिग्रहण को लागू करना है। इन प्रमुख मुद्दों का हमको अभी तक कोई संतोषजनक जवाब ना ही तो जनप्रतिनिधियों द्वारा और ना ही प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है इतने लंबे समय से किसान धरना दे रहे हैं लेकिन सरकार किसानी की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है, अगर सरकार ने किसानों के मुद्दों को जल्द हल नहीं किया तो आने वाले चुनाव में भाजपा को इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी।किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नगर ने बताया कि 2 दिन पहले हमारे युवाओं ने रोजगार की मांग को लेकर जोरदार तरीका से प्रदर्शन किया था इस जिले के अंदर बेरोजगारी का आंकड़ा इतना बड़ा है की किसानों को अपनी जीविका चलाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है सभी प्रभावित किसान परिवार से एक व्यक्ति को प्राथमिकता के तौर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।किसान सभा

के सचिव जगबीर नंबरदार ने बताया कि प्राधिकरण भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है और जब किसान भ्रष्टाचार के विरुद्ध मांग उठाते हैं तो दिखाए मात्रा के लिए कार्यवाही या की जाती हैं परंतु प्राधिकरण के अंदर अभी भी वही ढाक के तीन पात है किसान अपने कार्यों के लिए धक्के खा रहे हैं उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।किसान अलग-अलग दफ्तर में धक्के खाते हैं उनके लिए अलग से विंडो सिस्टम होना चाहिए और किस की सभी समस्याओं का निदान एक ही खिड़की से होना चाहिए।किसान संदीप भाटी का कहना है कि हमारे भूमिहीनों के सामने जीवन यापन करने का संकट है उनके परिवार बढ़ रहे हैं लेकिन उनके पास बहुत छोटे-छोटे घर हैं क्योंकि वह लोग भूमिहीन थे तो उन पर बेसन के लिए जमीन नहीं है वह किसने की जमीनों पर ही गुजर बसर करते थे उनके लिए प्राधिकरण को 40 वर्ग मीटर का प्लॉट प्रत्येक बालिक परिवार को दिया जाए।संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे सतीश यादव ने बताया कि आज भारत के महान क्रांतिकारी राजगुरु की जयंती पर हमारे धरने को 100 दिन पूरे हुए हैं यह है गजब का सहयोग है और हम सभी किसान इस महान क्रांतिकारी की जयंती पर प्राण करते हैं कि जब तक हमारे सारे मुद्दे हल नहीं हो जाएंगे हम यहां से अपने घर नहीं जाएंगे चाहे हमें अपने प्राण ही न्योछावर क्यों न करने पड़े।किसान निशांत रावल ने बताया कि दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में मजदूरों और किसानों का अखिल भारतीय संयुक्त सम्मेलन हो रहा है। उक्त सम्मेलन में हमारे धरने से किसानों सभा के कार्यकर्ता सैकड़ो की संख्या में मजदूरों किसानों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए गए हैं जिसमें बड़ी मात्रा में महिलाएं भी शामिल है।आज के धरने में मुख्य रूप से सूबेदार ब्रह्मपाल नरेंद्र भाटी इंद्रजीत कसाना निरंकार सिंह अजी पाल भाटी हरेंद्र खड़ी सुरेश यादव संजय नगर चतर सिंह लाजपत राय शर्मा अमित यादव यतेंद्र मैनेजर वीरान नेताजी रंगलाल भाटी राजवीरी देवी सुरेंद्र यादव हरकेश रेखा पूनम विमला शिमला अनीता सुनीता सहित हजारों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कुचेसर चौपला व अठसेनी में सभी छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

संवाददाता
हापुड़। स्वयं सेवी संस्था सस्टेनेबल डेवलपमेंट सोसायटी "संदेश" द्वारा पोषण की पुकार कार्यक्रम के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कुचेसर चौपला व अठसेनी में सभी छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। तथा परीक्षण के पश्चात सभी को स्वास्थ्य किट वितरित की गई। इस शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिखेड़ा व गढ़ का भी सहयोग रहा। संदेश संस्था की सचिव पूनम परिहार ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के स्वास्थ्य की जानकारी कर आवश्यकता के अनुसार पोषण किट उपलब्ध करके उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाना व समय समय पर उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना है। क्योंकि स्वास्थ्य शरीर में स्वास्थ्य दिमाग वास करता हैं। छात्रों का पढ़ाई में मन तभी लगेगा जब उनका स्वास्थ्य सही होगा। इस अवसर पर विद्यालय की वॉर्डन रचना त्यागी, सोनिया व समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। इस अवसर पर संस्था के सहायक प्रबन्धक राहुल सक्सेना, संजीव भारद्वाज, सुमित कुमार, अनुराग राठौर, मिशिका व शिवचेत तोमर का सहयोग रहा।

ग्रेटर नोएडा में तालाब में डूबने से युवक की मौत: 14 घंटे बाद मिला शव, कबड्डी खेलकर तालाब में नहाने गया था

संवाददाता
ग्रेटर नोएडा । सूरजपुर थाना क्षेत्र के खेड़ी गांव में एक 18 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। देर शाम यह घटना हुई और रात से ही गोताखोरों की टीम तालाब में युवक को तलाश कर रही थी। युवक का शव करीब 14 घंटे बाद मिला है। बताया जा रहा है कि कबड्डी खेलने के बाद युवक गांव के मंदिर के पास तालाब में नहाने के लिए गया था। उसी दौरान तालाब के दलदल में फंसकर डूब गया। दरअसल गुरुवार शाम को सूरजपुर थाना क्षेत्र के खेड़ी गांव में प्रशांत नाम का युवक अपने दोस्तों के साथ में तालाब के पास कबड्डी खेल रहा था। कबड्डी खेलने के बाद गांव के मंदिर के पास तालाब में वह नहाने के लिए चला गया और वहीं पर उसका पैर फिसल गया। पैर फिसलने के बाद वह तालाब के दलदल के अंदर फंस गया। इसी दौरान वह पानी में डूब गया। उसके साथ में उसका दोस्त मौजूद था। उसने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहा। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने प्रशांत को काफी ढूंढने का प्रयास किया लेकिन प्रशांत के बारे में कोई जानकारी नहीं लग सकी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की टीम को भी बुलाया गया। उनके द्वारा भी प्रशांत की रात में तलाश की गई लेकिन रात में शव नहीं मिला। गोताखोर और ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद प्रशांत के शव को करीब 14 घंटे बाद तालाब से ढूंढ निकाला गया। फिलहाल पुलिस के द्वारा इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रोटरी क्लब ग्रेनो ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ जाँच शिविर

संवाददाता
गौतमबुद्धनगर। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा रो. डा० कमल त्यागी जी के सहयोग से सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक श्री कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल में एक निःशुल्क स्वास्थ जाँच शिविर का आयोजन किया गया ।जिसमे 150 लोगो का निःशुल्क जनरल चेकअप, ब्लड प्रेशर ,व थायराइड की जांच करी गयी ।शिविर में डा द्वारा लोगो को न्नित्य यायाम करना व सही खान-पान की जानकारी भी दी गयी। कैम्प में क्लब अध्यक्ष कपिल शर्मा , मुकुल गोयल , सर्वेश अग्रवाल , कमल त्यागी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाला वांछित गिरफ्तार:12 मुकदमे है दर्ज

संवाददाता
नोएडा। लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले वांछित लुटेरा को नोएडा की थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने छपरौली कट स्टैंड सेक्टर-168 से गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान वीरेंद्र पुत्र लायक राम निवासी बुलंदशहर हुई है। ये अपने बाकी साथियों के साथ मिलकर एक्सप्रेस वे और सुनसान इलाकों में राह चलते लोगों को लिफ्ट देकर उनसे लूटपाट करते थे। पुलिस ने बताया कि 30 जनवरी 2021 को इसने अपने साथियों के साथ मिलकर थाना एक्सप्रेस वे क्षेत्र से एक व्यक्ति की लिफ्ट दी उसे पहले घुमाया इसके बाद उससे 02 अंगूठी, चैन, 10,600 रुपए, घड़ी व जैकेट लूट ली थी। जांच में दो बदमाशों अरुण उर्फ अन्नि पुत्र सोहन पाल व मनोज पुत्र देवी राम निवासी बिलासपुर थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों को 5 मार्च 2021 को जेल भेज दिया गया था। इनका मुख्य साथी वीरेंद्र तभी से फरार था। पुलिस जब भी दबिश देने जाती ये मौका पाकर फरार हो जाता था। गोपनीय सूचना पर पुलिस ने सेक्टर-168 के पास से इसे गिरफ्तार किया। आपराधिक रिकार्ड खंगाला गया। जिसमें थाना सेक्टर-24 में इसके खिलाफ चार मुकदमे, सेक्टर-39 थाने में तीन और एक्सप्रेस वे थाने में दो और अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क में तीन मुकदमे दर्ज है। पुलिस ने इसके पास से एक चाकू बरामद किया है।

पार्षद रवि भाटी ने क्षेत्र की समस्याओ से नगर आयुक्त को अवगत कराया

संवाददाता
गाजियाबाद। पार्षद रवि भाटी ने बताया वार्ड 37 में जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याएं हैं क्षेत्र में स्ट्रीट लाईट खराब है, कुछ सड़के टूटी एवम क्षतिग्रस्त हो चुकी है और सबसे बडी समस्या पीछले 3 महीने से शालीमार गार्डन में सप्लाई का पानी गंदा एवम बदबूदार आ रहा है इस गम्भीर समस्या को देखते हुए अधिकारियों को इस समस्या के समाधान के लिए कुछ सुझाव एवम नए प्रस्ताव दिए जिसपर अधिकारियों ने आश्वासन दिया है की जल्द ही इस समस्या से छुटकारा मिल जाएगा एवम आपके दिए गए प्रस्ताव पर जल्द ही कार्य शुरू हो जाएगा ' इस मौके पर नगर निगम गाजियाबाद कार्यालय पर नगर निगम के नगर आयुक्त श्री डाक्टर नितिन गौड जी, उधान प्रभारी जी, चीफ साहब, जलकल विभाग के जीएम त्रिपाठी जी एवम अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे '।

गलगोटिय विश्वविद्यालय में आयोजित होगा दो दिवसीय लघु फिल्मोत्सव

संवाददाता
गौतमबुद्धनगर । ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय, यूथ फॉर नेशन और प्रेरणा शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधन में ग्रेटर नोएडा लघु फिल्मोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। जिसमें देश भर से कई शैलियों में बनीं फिल्मों को दिखाया जाएगा। इसी क्रम में फेस्टिवल के बारे में जानकारी देने के लिए 24 अगस्त 2023 को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता रखी गयी। इस पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुये भारतीय चित्र साधना के संस्थापक सदस्य और ग्रेटर नोएडा शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल के मार्गदर्शक अरुण अरोड़ा ने बताया कि सिनेमा और समाज के दूसरे से जुड़े हुये हैं। हमरी संस्कृति और सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए फिल्मे सशक्त माध्यम हैं। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय फिल्म

महोत्सव में हिंदी सिनेमा एवं क्षेत्रीय सिनेमा की चर्चित हस्तियाँ शामिल हो रही हैं। जिनमें मनोज तिवारी, गजेंद्र चौहान, सुप्रिया रैना शुक्ला, आकाश आदित्य लामा, नीतू कुमार, विष्णु शर्मा, क्षमा त्रिपाठी प्रमुख हैं। इसके अलावा सिनेमा और समाज से जुड़ी कई अन्य नामचीन हस्तियाँ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में आजादी का अमृत महोसत्व, महिला सशक्तिकरण, भविष्य का भारत , सामाजिक सद्भाव, हमारी संस्कृति -हमारी विरासत, धर्म और अध्यात्म, पर्यावरण जैसे विभिन्न विषयों पर बनी लगभग 200 फिल्में नामांकित हुई हैं। जिनमें लगभग 60 फिल्में स्क्रीनिंग के लिए चयनित की गयी हैं। महोत्सव में विभिन्न फिल्मों के साथ ही साथ कलात्मक तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखने को मिलेंगी। फिल्म फेस्टिवल में दादा साहेब फाल्के को समर्पित एक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के छात्र और छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा महोत्सव में सिनेमा से जुड़े विशेषज्ञ पटकथा लेखन एवं फिल्म निर्माण, सिनेमा, तकनीक और निर्देशन पर विशेष व्याख्यान भी देंगे। जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों व प्रतिभागियों को होने वाला है। कार्यक्रम के दौरान स्क्रीनिंग में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होने बताया कि प्रथम पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय 5 हजार एक सौ और तृतीय पुरस्कार 2 हजार एक सौ रुपए हैं । उन्होने पत्रकारों को संबोधित करते हुये बताया कि इस फिल्म महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य नए तथा ऊर्जावान फिल्म निमार्ताओं को निखारना और उनके प्रयासों को अवसर एवं सही मंच प्रदान करना है। इसके साथ ही साथ लोकल फॉर वोकल के जरिये विद्यार्थियों की रचनात्मक और कलात्मक कौशल को प्रोत्साहित करना है।फिल्मोत्सव की आयोजन समिति में अध्यक्ष सुनील कुमार त्यागी, संयोजक श्री सुभाष तिवारी, सहसंयोजक प्रोफेसर ए. राम पांडेय तथा मनीष तिवारी सदस्य संचालन समिति हैं।

80 टन लोहे का छल्ला बीचों-बीच सड़क पर गिरा: बड़ा हादसा होने से टला

संवाददाता
नोएडा । सबसे अधिक व्यस्त सड़क पर करीब 80 टन लोहे का छल्ला बीचों-बीच गिर गया है। इससे वाहन चालकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यातायात पुलिस ने सड़क पर लोहे का छल्ला गिरने के बाद रोड को डाइवर्ट कर दिया है। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के जवान सुबह से छल्ला को हटाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इसके लिए बड़ी-बड़ी क्रेन मंगवाई गई है। जिसकी मदद से लोहे के छल्ले को किनारे किया गया। जिसके बाद एक-एक कर वाहनों को निकाला जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी के

मुताबिक, गाजियाबाद के एक प्लांट से ट्रक पर लादकर लोहे का छल्ला मध्य प्रदेश के लिए जा रहा था। इस दौरान गाजियाबाद से नोएडा की तरफ आने सेक्टर 59 अंडरपास पर सेंट्रल वर्ज से छल्ला टकरा गया और सड़क पर पलट गया। इसके कारण सुबह से जाम की स्थिति बनी है। ट्रैफिक पुलिस के जवान जाम की व्यवस्था को दूर करने में लगे हुए है। लोहे का छल्ला भारी भरकम है। इसका वजन करीब 80 टन है। सुबह से नोएडा पुलिस और यातायात पुलिस मौके पर मौजूद है। तीन 100 टन की मशीन को बुलाकर लोहे के छल्ला को हटाने में लगी हुई है लेकिन मशीन की ग्रिप लोहे के छाले को पकड़ नहीं पा रही है। इस वजह से काफी परेशानी हो रही है। 10 घंटे बित जाने के बाद भी सड़क से छल्ले को हटाया नहीं जा सका है उसे किनारे जरुर किया गया। जब तक सड़क से लोहे का छल्ला हटाया नहीं जाता ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को मामूरा मार्ग का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है।

इस्कॉन नोएडा में धूमधाम से मनायी जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

संवाददाता
गौतमबुद्धनगर। आगामी 07 सितम्बर 2022 दिन, बृहस्पतिवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में इस्कॉन नोएडा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।शोभा यात्रा शनिवार दिनांक 26 अगस्त को सांय 4 बजे से शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभा यात्रा सांय 4 बजे सेक्टर 18 स्थित गुरुद्वारे से प्रारम्भ होगी तथा अट्टा मार्केट, सब मॉल, डी एम चौक, स्टेडियम, चौड़ा चौक तथा अडोब चौक होते हुए सांय 7 बजे इस्कॉन नोएडा मन्दिर पहुंचेगी। पूरे रास्ते में हरिनाम संकीर्तन होगा, बच्चों की झांकियां होंगी, बैण्ड, घोड़े, हाथी तथा सभी को प्रसाद वितरित किया जाएगा।शोभा यात्रा के समापन पर सांय 7 बजे इस्कॉन नोएडा मन्दिर में सभी को डिनर प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस शोभा यात्रा में लगभग 2500 भक्तों के सम्मिलित होने की आशा है। इस शोभा यात्रा का उद्देश्य सभी नोएडा वासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए इस्कॉन नोएडा में आमन्त्रित करना है। यह एक पारम्परिक उत्सव है। वर्षा ऋतु में उमस बहुत बढ़ जाती है। अतः भगवान को सुन्दर ठण्डी हवा प्रदान करने के लिए भक्तगण उन्हें प्रतिवर्ष झूले पर बिठाकर झूला झुलाते हैं। भगवान को झूला झुलाने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है तथा

भगवान श्री राधा कृष्ण के प्रति प्रेम में वृद्धि होती है। अतः प्रेम के इस उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। पाँच दिनों तक चलने वाला यह उत्सव रविवार, दिनाँक 27 अगस्त, पवित्रोपण एकादशी के दिन प्रारम्भ होगा तथा बृहस्पतिवार दिनाँक 31 अगस्त, बलराम जयन्ती के दिन इसका समापन होगा। सभी नोएडा वासी इन पाँच दिनों तक इस उत्सव में भाग ले सकते हैं तथा भगवान श्री राधा कृष्ण को झूला झुलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए इस्कॉन नोएडा के भक्त भगवान के लिए विशेष झूला बनाने में जुटे हुए हैं। झूले को साज-सामग्री एवं फूलों से अत्यन्त सुन्दर ढंग से सजाया जाएगा। इस उत्सव में प्रतिदिन लगभग 2000 लोग दर्शन एवं झूलन यात्रा में भाग लेंगे। भगवान बलराम का जन्मोत्सव, बलराम पूर्णिमा बृहस्पतिवार दिनाँक 31 अगस्त को मनाया जाएगा। मुख्य उत्सव सांय काल में 6 बजे प्रारम्भ होगा। जिसमें भजन, कीर्तन, भगवान का अभिषेक, प्रवचन एवं सभी के लिए भरपेट प्रसादम की व्यवस्था की जाएगी। भगवान का पञ्च गव्य (दूध, दही, शहद, घी, फलों के रस एवं पुष्प) से सुन्दर अभिषेक किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान बलराम की लीलाओं का मंचन करते हुए एक विशेष नाटिका प्रस्तुत की जाएगी तथा मटकी फोड़ उत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव में लगभग 1500 लोगों के भाग लेने की आशा है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बृहस्पतिवार दिनाँक 07 सितम्बर को मनाया जाएगा। इस उत्सव के लिए भक्तगण पिछले चार माह से तैयारियों में जुटे हुए हैं। पूरे मन्दिर की साफ सफाई एवं रंग रोगन किया जा रहा है। मन्दिर को सुन्दर ढंग से सजाया जा रहा है। भगवान के लिए भोग की सामग्री एकत्र की जा रही है। भगवान की सुन्दर पोशाक तैयार की जा रही है। पूरे मन्दिर को रंग बिरंगी लाइटों एवं फूलों से सजाया जाएगा। भगवान का पञ्च गव्य (दूध, दही, शहद, घी, फलों के रस एवं पुष्प) से सुन्दर अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 108 प्रकार के देशी तथा विदेशी विभिन्न व्यंजन अर्पित किए जाएंगे जिसमें कई प्रकार के खीर, हलवे, सब्जियों, स्नैक्स एवं केक सम्मिलित होंगे। भगवान का दर्शन पूरे दिन प्रातः 4:30 बजे से रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा। पूरे दिन भगवान के पवित्र नाम का कीर्तन होगा तथा सभी के लिए पूरा दिन प्रसादम वितरित किया जाएगा। मन्दिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जन सामान्य पार्किंग की व्यवस्था एडोब चौक, सैक्टर 25 के पास की गई है। विशेष निमंत्रण पत्रधारियों के लिए पार्किंग व्यवस्था नोएडा हाट के पास की जा रही है। इस वर्ष इस उत्सव में देश विदेश के भक्तों सहित लगभग पाँच लाख लोगों के सम्मिलित होने की आशा है।श्रील प्रभुपाद आविर्भाव तिथि महामहोत्सव इस्कॉन के संस्थापकाचार्य, कृष्णकृपामूर्ति श्री श्रीमद ए. सी. भक्तिवेदान्त स्वामी प्रभुपाद का जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन, शुक्रवार दिनाँक 08 सितम्बर को मनाया जाएगा। मुख्य उत्सव प्रातः 10 बजे मनाया जाएगा जिसमें भजन, कीर्तन तथा सभी के लिए प्रसादम वितरित किया जाएगा। 1896 में जन्मे श्रील प्रभुपाद अपने गुरु महाराज के आदेश पर 1965 में एक मालवाहक जलयान (कार्गो शिप) में बैठकर न्यूयॉर्क गए तथा वहाँ के हिप्पियों को कृष्ण भक्त बना दिया। तब से अब तक इस्कॉन श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए विश्व के सभी देशों में कृष्ण भक्ति का प्रचार कर रहा है। इस उत्सव में लगभग 2000 भक्त सम्मिलित होने की आशा है। भगवान श्रीकृष्ण की नित्य संगिनी श्रीमती राधारानी का जन्मोत्सव शनिवार, दिनाँक 23 सितम्बर को मनाया जाएगा। मुख्य उत्सव दोपहर 12 बजे प्रारम्भ होगा जिसमें भजन, कीर्तन, भगवान का अभिषेक तथा सभी के लिए प्रसादम की व्यवस्था होगी। इसके लिए युगल जोड़ी की नई पोशाक तैयार की जा रही है तथा भगवान का पञ्च गव्य (दूध, दही, घी शहद, फलों के रस एवं पुष्प) से सुन्दर अभिषेक किया जाएगा। भगवान की लीलाओं को प्रदर्शित करती हुई एक सुन्दर नाटिका प्रस्तुत की जाएगी तथा तत्पश्चात सभी को प्रसादम वितरित किया जाएगा। इस उत्सव में लगभग 3000 लोगों के सम्मिलित होने की आशा है।

संस्कार उजाला

डीसी ने शांतिकुंज अनाथ बेसहारा आश्रम का दौरा कर बेसहारा व्यक्तियों से जाना कुशलक्षेम

कनीना। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने आज खंड कनीना के गांव मोडी में स्थित शांतिकुंज अनाथ बेसहारा आश्रम का दौरा किया। उन्होंने आश्रम में रह रहे बेसहारा व्यक्तियों से कुशलक्षेम जाना। इस समय आश्रम में कुल 17 व्यक्ति रह रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने पानी की टंकी का उद्घाटन किया। डीसी ने आश्रम में रह रहे सभी सदस्यों से रहने व खानपान के बारे में व्यापक जानकारी ली। उपायुक्त ने सम्मान स्वरूप भेंट देकर सम्मान किया। इस मौके पर आश्रम के संचालक पवन कुमार ने बताया कि इस आश्रम में बधिर लावारिस व्यक्तियों को रखा जाता है जिनको उनके परिवार नहीं रखते। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2021 में यह आश्रम शुरू किया गया। सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा लावारिस लोगों को देखकर यह आश्रम करने का विचार आया। पवन कुमार की पत्नी मीणा ने भी इन व्यक्तियों को अपना परिवार मानकर पूरी आत्मीयता से सेवा कर रही है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के तहत पुलिस विभाग की सूचना के आधार पर इधर-उधर घूम रहे अन्य राज्यों के व्यक्ति भी इस आश्रम में रह रहे हैं। आश्रम के संचालन के लिए चंदा इत्यादि का सहारा लिया जाता है। आश्रम में सबसे बुजुर्ग जो जालंधर से रंजीत सिंह की आयु लगभग 85 वर्ष है। इस अवसर पर एसडीएम सुरेंद्र सिंह, सरपंच प्रतिनिधि रामनिवास व ग्रामीण उपस्थित थे।

बम भोले बम भोले बम भोले बम यही वो मंत्र है यही वो तंत्र है जिससे मिटेंगे सारे गम.......

करनाल। सनातन धर्म मंदिर रामनगर में ओम नमः शिवाय जाप परिवार की ओर से ओम नमः शिवाय का सामूहिक जाप किया गया। बम भोले बम भोले बम भोले बम यही वो मंत्र है यही वो तंत्र है जिससे मिटेंगे सारे गम की संगीतमयी धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम में सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्घी व जाप परिवार के नटखट सेवादार कपिल ढल का जन्मोत्सव मनाया गया। कपिल ढल ने अपने जन्मोत्सव पर परिवार सहित भोले बाबा का रुद्राभिषेक किया। भोले बाबा की आराधना के लिए के अमित शान ने भोले बाबा के भजनों का गुणगान किया।

संगीतमय धुनों पर हरिओम नमः शिवाय का जाप किया गया ! श्रद्धालुओं ने पहले भोले बाबा को फूलों के श्रृंगार से सजाया फिर हर हर महादेव के जयकारे लगाकर भोलेनाथ को रिझाया। सबसे पहले भोले को फूलों से सजाया गया फिर चंदन के लेप से तिलक लगाकर श्रृंगार किया गया। विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आराधना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। फिर राम नाम की माला जपी गई। राम नाम की माला से वीर बजरंगी को भी रिझाया। भजनों के बाद जनकल्याण युवा मंच के सहयोग से विशाल भंडारा लगाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। जाप परिवार के सेवक संजय टिक्का ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। शिव भक्तों का इंद्रजीत शर्मा, वेद प्रकाश सलूजा, राधेश्याम सलूजा, हनी मुंजाल, नरेश छाबडा, अनिल छाबडा, शांति सचदेवा, राहुल छाबडा, रोहित ग्रोवर, अशोक ग्रोवर, साहिल खुराना, संचित मिड्ढा ने स्वागत किया ।

इस शनिवार 26 अगस्त को लगेगा गृह मंत्री अनिल विज का जनता दरबार

चंडीगढ़ – हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज का जनता दरबार अगस्त माह के चौथे शनिवार (26 अगस्त) को अम्बाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लगेगा, जिसमें गृह मंत्री प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याओं को सुनेंगे। गृह मंत्री अनिल विज का जनता दरबार हर माह के दूसरे और चौथे शनिवार को आयोजित किया जाता है जिसमें दोपहर केवल एक बजे तक पहुंचने वाले फरियादियों की समस्याओं/शिकायतों को ही सुना जाएगा। गौरतलब है कि गृह मंत्री अनिल विज का जनता दरबार प्रदेशभर में प्रचलित है जिसमें प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में लोग अपनी फरियाद लेकर गृह मंत्री के पास पहुंचते हैं। जनता दरबार में गृह मंत्री अनिल विज मौके पर ही लोगों की समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के दिशा-निर्देश देते हैं।

जिले में मिले डेंगू के 2 नए पॉजिटिव केस –सिविल सर्जन डॉ. विनोद कमल

करनाल। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कमल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को डेंगू से बचाव बारे सचेत व जागरूक किया जा रहा है। डेंगू की रोकथाम के लिए जन समुदाय की सहभागिता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि मच्छर प्रजनन स्थलों को चिह्नित कर तथा मच्छर प्रजनन रोकने के उपायों के बारे में आम जनता को जागरूक किया जा रहा है।

सिविल सर्जन ने बताया कि वीरवार को जिला में डेंगू के 2 केस मिले हैं तथा जिला में अब तक 47 डेंगू के केस मिले हैं। जिला में अब तक 252414 घरों को वीबीडी टीम द्वारा कवर किया जा चुका है, इसके लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की कुल 160 टीमें कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सभी तरह का बुखार डेंगू नहीं होता है। बुखार होने पर बिना समय गंवाए डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर जांच के बाद जैसा परामर्श दें उसके अनुसार अपना इलाज करवाएं। डेंगू होने की स्थिति में सभी मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

करनाल मे स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

करनाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल द्वारा सिविल अस्पताल, करनाल के सौजन्य से जिला कारागार, करनाल मे स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री जसबीर ने बताया कि चन्द्रशेखर, माननीय जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल के मार्गदर्षन मे इन कार्यक्रमों का आयोजन जिला करनाल के विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है।

सुश्री जसबीर, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल ने बताया कि इस स्वास्थ्य जांच शिविर मे जिला कारागार, करनाल मे रह रहे कैदियों व स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच की गई जिसमे डॉ. प्रिया, मैडिसन विशेषज्ञ, डॉ. घनश्याम जयवर्दन, आंख-कान-गला विशेषज्ञ, डॉ. कर्मबीर, जनरल सर्जन, डॉ. मोहिनी, महिला चिकित्सा अधिकारी, डॉ. नितिका, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. कार्तिक दुआ, हडडी रोग विशेषज्ञ द्वारा जिला कारागार मे बंद बंदियों व स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच की गई और जरूरतमंद बंदियों को दवाई भी प्रदान की।

इसके अलावा सुश्री जसबीर, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल ने बताया कि जिला कारागार, करनाल मे पहले व तीसरे बुधवार को लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होने यह भी बताया कि दिनांक 9 सितम्बर 2023 को जिला न्यायालय, करनाल व सब डिवीजन इन्द्री और असंध की अदालतो मे नैशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा

चहडकलां में जल्द से जल्द से स्टेडियम का निर्माण करवाकर जिम स्थापित करवाया जाएगा–डीसी नरेश नरवाल

हरियाणा उदय' कार्यक्रम में डीसी ने चहडकलां में ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

बहल। सतीश खतरी सरकार के निर्देशानुसार हरियाणा उदय के तहत प्रशासन द्वारा गांव चहडकलां के मैन चौक में वीरवार को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीसी नरेश नरवाल ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया। डीसी ने जन संवाद में 140 लोगों की समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने कहा कि गांव में जल्द से जल्द स्टेडियम का निर्माण करवाकर जिम स्थापित करवाया जाएगा ताकि यहां के युवा खेलों में आगे आकर अपना भविष्य बना सकें। उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जो भी आवेदन जन संवाद में आए हैं, उनका नियमित रूप से फॉलोअप किया जाएगा। हर दरखास्त पर कारवाई होगी। उन्होंने कहा कि गांव का 2022 की बकाया फसल बीमा योजना की राशि शीघ्र दी जाएगी, जो आ चुकी है। प्रभावित किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नही है। उन्होंने ग्रामीणों से नहरी पानी और बिजली आपूर्ति के बारे में भी जानकारी ली।

ग्रामीणों को अपना संदेश देते हुए उपायुक्त श्री नरवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार सामाजिक सद्भाव व सामुदायिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर आयोजित हरियाणा उदय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में ग्रामीणों का बड़ा अहम योगदान होता है। ग्रामीण सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और गांव के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि लोगों को ऑनलाईन माध्यम से योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। नागरिक घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। सरकार की सभी योजनाएं परिवार पहचान -पत्र के साथ जोड़ी जा चुकी हैं, ऐसे में सभी नागरिक अपना परिवार पहचान -पत्र बनवाएं ताकि किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को आज आवेदन या लाभ के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोग साल में पांच लाख रुपए का इलाज फ्री ले सकते हैं और चिरायु कार्ड से पात्र लोगों के स्वास्थ्य की जांच फ्री की जा रही है ताकि यदि कोई बीमारी सामने आए तो उसका समय रहते इलाज लिया जा सके। सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति बीमार न हो। उन्होंने कहा कि आज मेहनत करने वाले बच्चों का समय है,जो बच्चे मेहनत करते हैं, उनको आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि बच्चों को गलत रास्तों पर जाने से रोकें। गांव में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि न होंने दें। यदि कोई अपने आस-पास आपराधिक गतिविधि में शामिल दिखाई देता है तो उसके बारे में पुलिस को सूचना दें।

हरियाणा उदय कार्यक्रम के दौरान लोहारू के एसडीएम अमित कुमार,सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य, बहल के नायब तहसीलदार गौरव कुमार, एसएमओ गौरव चतुर्वेदी, बीडीपीओ विनोद सांगवान, एलडीएम राहुल सिंह, ग्रामीण बैंक मैनेजर नवीन लांबा, बीडीपीओ , एसडीओ रिसब,एसडीओ प्रविंदर,डीडीईओ ज्ञानेंद्र, व सरपंच प्रतिनिधि रामकिशन,सतबीर सिंह, कर्मबीर सिंह, धुपसिंह आर्य,नरेंद्र शर्मा के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी ,कर्मचारी व अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूह बनाने और सामाजिक सुरक्षा योजना एवं साइबर फ्रॉड्स से बचने के बारे में जानकारी

करनाल। स्वयं सहायता समूह को सरकार की योजनाओं से जोडने, सामाजिक सुरक्षा योजना मे बीमा एवं साइबर फ्रॉड्स से बचने के बारे मे जानकारी देने के उद्देश्य से गाँव निगदू और कुटेल में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पंजाब नेशनल बैंक अग्रणी बैंक कार्यालय द्वारा जोनल ऑफिस पंजाब नेशनल बैंक चंडीगढ़ से नेहा, मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंक करनाल से उप मंडल प्रमुख वेद प्रकाश बंसल, जिला अग्रणी प्रबंधक सुशील कुमार हन्दुजा ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजना में बीमा एवं साइबर फ्रॉड्स से बचने के बारे मे जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम भारत सरकार के महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को सुरक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण के प्रयासों को जीवन प्रदान करने वाले 20 स्वयं सहायता समूह को ऋण स्वीकृत पत्र प्रदान किया और सभी को आगे बढने के लिए प्रेरित किया और सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 30 महिलाओं ने अपने बीमे भी करवाए। बैठक में जिला अग्रणी प्रबंधक ने महिलाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में जागरूक किया। आज के बढ़ते हुए साइबर फ्र ॉड्स से बचने के बारे मे सावधानियां बरतने के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर वित्तीय साक्षरता सलाहकार करनाल चन्द्र मोहन, गुरिंदर सिंह बराड़ हरियाणा राज्य ग्रामीण अजीवका मिशन, बीपीएम कविता मौजूद रही।

पेयजल संकट से त्रस्त ग्रामीण जलघर की टंकी पर चढ़े, धरना देकर रोष जताया

फतेहाबाद। जिले के गांव भिरड़ाना में पिछले कई दिनों से पेयजल समस्या से त्रस्त ग्रामीणों के सब्र का बांध गुरुवार को टूट गया। गुरुवार सुबह ग्रामीण इकट्ठा होकर गांव के जलघर में पहुंचे और रोष जताया। इस दौरान कुछ ग्रामीण जलघर की टंकी पर भी चढ़ गए, वहीं कुछ ग्रामीण जलघर में ही धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने अब भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया तो ग्रामीण यहां अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर देंगे और जरूरत पड़ी तो रोड जाम करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। करीब तीन घंटे तक आधा दर्जन ग्रामीण टंकी पर चढ़े रहे। बाद में जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ मौके पर पहुंचे और उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक नहरी पानी सप्लाई ठीक नहीं हो जाती, तब तक गांव में टैंकर से पानी की सप्लाई होगी। नहर में पानी आने के बाद यहां पर नहरी पानी सप्लाई सुचारु करवा दी जाएगी। इसके बाद ग्रामीण माने और टंकी से नीचे उतरे व धरना खत्म किया। जलघर में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि उनका गांव रतिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला सबसे बड़ा गांव है लेकिन अधिकारी गांव की समस्याओं की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में पिछले 10-12 दिन से पेयजल को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है। गांव का एकमात्र ट्यूबवेल पानी नहीं खींच रहा। मात्र दो इंच ही पानी आ रहा है, वहीं नहर में भी पानी की सप्लाई कम होने से वाटर वर्कस की टंकियां सूख चुकी हैं, इसमें पल रही मछलियां भी मर गई हैं। अब गांव में पीने तक को पानी नहीं है, जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है। पेयजल सप्लाई न होने से न केवल ग्रामीण परेशान हैं

बल्कि पशुओं के भी प्यासे मरने की नौबत आ गई है। उन्होंने कहा कि एक तरफ गांव में पानी को लेकर हा-हाकार मचा हुआ है लेकिन अधिकारी उनकी इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी इस समस्या का आज समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन को अनिश्चितकालीन करते हुए रोड जाम करने पर मजबूर होंगे।

मैराथन से नशों के खिलाफ किया जागरूक

भिवानी। स्थानीय चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल में गुरुवार को एचआईवी एड्स व नशीली दवाइयों का सेवन न करने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शहर में कॉलेज के छात्र व छात्राओं द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर शांडिल्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मैराथन में भिवानी के रैड रिबन के सभी कॉलेजों ने भाग लिया, जिसमें करीब 150 छात्र-छात्राएं शामिल थी। मैराथन दौड़ उपरांत सीएमओ ने दौड़ में प्रथम स्थान, दूसरा स्थान व तीसरे स्थान पर आए छात्रों व छात्राओं को क्रमशः 2500, 1500 तथा एक हजार रूपये देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त चौथे स्थान से आठवें स्थान तक रहने वालों को 200-200 रूपए देकर सम्मानित

किया गया। इन सभी छात्र छात्राओं को यह राशि उनके बैंक खातों में डाल दी जाएगी। इस मौके पर सीएमओ डा. रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि इस मैराथन दौड़ का आयोजन एचआईवी एड्स व नशीली दवाइयों का सेवन न करने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि कोई भी एचआईवी मरीज अपनी दवाई को बीच मे ना छोड़ें व अपनी दवाई का पूरा कोर्स शत् प्रतिशत अवश्य करें। अगर कोई भी मरीज दवाई को नियमित प्रकार से नही लेता है तो मरीज की बीमारी कम होने की बजाय बढने लग जाती है। उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा ने छात्राओं को बताया कि वे गर्भवती महिलाओं को इस बारे जागरूक करें कि वे एड्स की जांच जरूर करवाएं, ताकि यदि कोई महिला एड्स से संक्रमित है तो उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को सुरक्षित रखा जा सके।

उद्घाटनी समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान खेलेंगे वॉलीबाल मैचः मीत हेयर

चंडीगढ़-खेल विभाग द्वारा करवाई जा रही 'खेड़ां वतन पंजाब दियां' के सीजन-2 के उद्घाटनी समारोह के मौके पर सांस्कृतिक प्रोग्राम के इलावा वॉलीबाल, रग्बी और रस्साकशी के प्रदर्शनी मैच आकर्षण का केंद्र होंगे। खेल का उद्घाटन मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान करेंगे और वॉलीबाल मैच भी खेलेंगे। इसी तरह फिल्मी अदाकार और पूर्व रग्बी खिलाड़ी राहुल बोस रग्बी मैच में जौहर दिखाएेंगे।

यह जानकारी पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आज यहाँ पंजाब भवन में खेल की तैयारियों के लिए बुलायी समीक्षा मीटिंग के उपरांत जारी प्रैस बयान के द्वारा दी। मीत हेयर ने बताया कि इस समय पर मशाल मार्च पंजाब के हर जिले में जा रही है जो आज होशियारपुर पहुँची है। बठिंडा के शहीद भगत सिंह खेल स्टेडियम में होने वाले उद्घाटनी समारोह से पहले खेल की मशाल राज्य भर के सभी जिलों का चक्कर लगाने के बाद

बठिंडा में पहुँचेगी जिसको रंगारंग उद्घाटनी समारोह के दौरान पंजाब का नाम रौशन करने वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की तरफ से स्टेडियम का चक्कर लगा कर जलाया जायेगा। मार्च पास्ट में सभी जिलों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और खिलाड़ियों की तरफ से सच्ची खेल भावना के साथ खेलने की कसम उठाई जायेगी।

मीत हेयर ने आगे बताया कि सांस्कृतिक प्रोग्राम के दौरान लोक गायकों की पेशकारी के इलावा गतका, गिद्दा, भंगड़ा, जिमनास्टिक और पी. टी. शो होगा। पंजाब का नाम रौशन करने वाले पूर्व खिलाड़ी भी मेहमान के तौर पर शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान खेल का औपचारिक ऐलान करेंगे जिसके बाद यह खेल शुरू हो जाएंगे। इस बार विभिन्न आठ आयु वर्गों में 35 खेलों के मुकाबले ब्लाक से राज्य स्तर तक करवाए जाएंगे। खेल मंत्री ने मीटिंग में प्रबंधों का जायज़ा लेते हुये उद्घाटनी समारोह की औपचारिक कार्रवाईयों को खेल की भावना अनुसार पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में आने वाले दर्शकों को कोई दिक्कत न आए, इसलिए उनका दाख़िले, बैठने और खाने- पीने का पूरा प्रबंध किया जाये। मीटिंग में विशेष मुख्य सचिव सरवजीत सिंह, डायरैक्टर सूचना एवं लोक संपर्क भुपिन्दर सिंह, खेल डायरैक्टर हरप्रीत सिंह सूदन, खेल विभाग के विशेष सचिव आनन्द कुमार और डिप्टी डायरैक्टर परमिन्दर सिंह सिद्धू के इलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा डिप्टी कमिशनर बठिंडा शौकत अहमद परे और खेल यूनिवर्सिटी पटियाला के वाइस चांसलर लैफ्टिनैंट जनरल (सेवा मुक्त) जे. एस. चीमा उपस्थित हुए।

पुलिस का राजनीति फ़ायदा उठा रही है सरकार-नवीन जयहिंद

चंडीगढ़। बीतों दिनों नवीन जयहिंद अपने दो साथियों को हथकड़ियों में बंदी बनाकर पानीपत थाने में पेश करने के लिए पहुंचें थे। वही वीरवर को फिर नवीन जयहिंद पानीपत थाने में पधारे। वीरवर को वे इन साथियों की जमानत करवाने पहुंचे। इस मौके पर नवीन जयहिंद सरकार पर जम कर बरसे। उन्होंने कहा कि सरकार न तो भाईचारे को बचाना चाहती है और न नशे को ख़त्म करना चाहती। सरकार जनता की आवाज उठाने वालों पर झूठा केस लगा कर दबाना चाहती है। जयहिंद ने आगे कहा कि वे न तो इन झूठे केसों से डरने वाले है और न ही प्रशासन के बार -बार परेशान करने से पीछे हटने वाले है उन पर एक दर्जन केस दर्ज हो चुके है, सरकार चाहे तो एक दर्जन और केस करवा दे वो डरेंगे नहीं। इस मौके पर उन्होंने जेल में गये नवीन मलिक और जोगिन्द्र धानक को फूल-माला पहनाई और जनता की लड़ाई में उनका साथ देने पर धन्यवाद किया। जयहिंद ने यही भी कहा कि उनका न्यायपालिका में पूरा विश्वास है। सरकार भले भी पुलिस पर दबाव बना कर इन झूठे केसों अगले 10 साल तक और चला ले लेकिन वो जनता की समस्याओं के लिए हमेशा आवाज उठाते रहेंगे। आपको बता दे कि नवीन जयहिंद 5 साल पहले 2018 में वो भाईचारे के लिए व नशे के खिलाफ कावड़ यात्रा लेकर आये थे7 यह यात्रा हरिद्वार से रोहतक के लिए निकाली गई थी, जिसमें प्रदेश की कई जिलों से युवाओं ने भाग लिया था। उस वक्त पानीपत की पुलिस ने इस कावड़ यात्रा को रोका कावड़ियों की तलाशी ली गई लेकिन पुलिस को कावड़ियों के पास सिवाए गंगाजल के कुछ नहीं मिल था और लेकिन फिर भी पुलिस ने नवीन जयहिंद सहित उनके पांच और साथियों पर केस दर्ज किया था

मान सरकार किसी को भी किसानों का शोषण करने की इजाज़त नहीं देगी : गुरमीत सिंह खुड्डियां

चंडीगढ़-पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने संगरूर और कपूरथला जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को हिदायतें जारी की हैं कि उनके जिलों में पड़ती प्राईवेट चीनी मिलों की तरफ से गन्ने की फ़सल के सभी बकायों की किसानों को जल्दी से जल्दी अदायगी यकीनी बनाने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाये। स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने विशेष मुख्य सचिव कृषि श्री के. ए. पी. सिन्हा के साथ यहाँ अपने दफ़्तर में मीटिंगों के दौरान मालवा और दोआबा क्षेत्र के गन्ना काश्तकारों की मुश्किलें सुनी। दोआबा क्षेत्र के गन्ना काश्तकारों की तरफ से सांझा की गई मुश्किलों के जवाब में स. खुड्डियां ने डिप्टी कमिश्नर कपूरथला कैप्टन करनैल सिंह को हिदायत की कि गोल्डन संधर मिल्लज़ लिमटिड फगवाड़ा के डिफालटर मालिक की सभी जायदादों की शिनाखत करके अटेच किया जाये जिससे डिफालटर रहने की सूरत में उक्त सम्पत्तियों को बेचकर किसानों के गन्ने के बकाए की अदायगी की जा सके। इससे पहले मालवा क्षेत्र के गन्ना किसानों के

साथ मीटिंग के दौरान कृषि मंत्री ने डिप्टी कमिश्नर संगरूर श्री जतिन्दर जोरवाल को हिदायत की कि भगवानपुरा शुगर मिल लिमटिड, धूरी से किसानों के कुल बकाए में से कम से कम 1 करोड़ रुपए की अदायगी तुरंत यकीनी बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएँ। उन्होंने डिप्टी कमिश्नर को यह भी यकीनी बनाने के लिए कहा कि इन किसानों के रहते सभी बकाए भी समयबद्ध ढंग से निपटाये जाएँ। यह दोहराते हुए कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के किसानों का शोषण नहीं होने देगी स. खुड्डियां ने दोनों जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को कहा कि वह इन दोनों मामलों में सख़्त कार्यवाही करके दूसरों के लिए मिसाल कायम करें।

एक्सप्रेस वे लिंक रोड निर्माण को मिली मंजूरी, चार जिलों के वाहन चालकों को होगा लाभ

हथीन। पलवल, फरीदाबाद, गुड़गांव एवं नूँह जिला के लोगों की बड़ी मांग दिल्ली-बड़ोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे को इलाके से लिंक करने की मांग सरकार ने मंजूर कर ली है। इसके लिए बनाए गए बजट इस्टीमेट और ड्राइंग को भी स्वीकृति मिल गई है। इससे सम्बन्धित क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हस्तक्षेप के बाद लोगों की मांग पर सरकार ने मोहर लगाई है। इस संदर्भ में हरियाणा सरकार के उपक्रम हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम के असिस्टेंट मैनेजर पंचकूला ने मानेसर के असिस्टेंट जनरल मैनेजर को पत्र लिखकर स्वीकृति पत्र भेजा है। इसके तहत मण्डकौला-सिलानी रोड को मण्डकौला में कुंडली मानेसर एक्सप्रेस वे से लिंक किया जाएगा। इसके लिए मण्डकौला सिलानी रोड से केएमपी पर चढ़ने के लिए रेम्प रोड बनाए जाएंगे। केएमपी पर चढ़ने एवं उतरने के लिए यह रेम्प रोड काम आयेंगें। सम्बन्धित रोड के निर्माण से डीएनडी, केएमपी एवं बड़ोदरा एक्सप्रेस वे एक दूसरे से जुड़ जायेंगें। यह जंक्शन रोड होगा। सम्बन्धित रेम्प रोड के निर्माण के लिए औद्योगिक विकास निगम की भूमि का इस्तेमाल होगा। सरकार इस परियोजना पर जीएसटी सहित 7 करोड़ 94 लाख व्यय करेगी। इस परियोजना के निर्माण से सम्बंधित चारों जिलों के लोगों को सीधा लाभ होगा। रेम्प रोड के साथ साथ टोल प्लाजा का भी निर्माण होगा। स्वीकृति पत्र की जानकारी देते हुए भाजपा के स्थानीय विधायक प्रवीण डागर ने बताया कि निर्माण प्रक्रिया शुरू हो गई है। शीघ्र ही टेंडर एवं अन्य प्रोसेस शुरू हो जाएंगे। रेम्प रोड निर्माण पर 4 करोड़ 89 लाख रुपए एवं टोल प्लाजा एवं अन्य सुविधाओं पर बजट व्यय होगा। विधायक डागर ने बताया कि रेम्प रोड एवं अन्य सुविधाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की जरूरत नही होगी। औद्योगिक विकास निगम की जो भूमि पहले ही निगम के पास रिजर्व है उसी भूमि का उपयोग होगा। उल्लेखनीय है कि सम्बन्धित लिंक मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर इसी वर्ष एक जनवरी से आसपास के जिलों के 84 गांवों की महापंचायत ने धरना एवं भूख हड़ताल की थी। आंदोलन 38 दिनों तक चला, इसके बाद स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, स्थानीय विधायक प्रवीण डागर एवं महापंचायत से जुड़े पंच मुकेश डागर आदि केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली जाकर मिले। गडकरी ने इस मामले में आश्वासन दिया और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक प्रवीण डागर ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भेंट कर इलाके की मांग को पूरा कराने की मांग विधानसभा में उठाई। महापंचायत के नेता मुकेश डागर एडवोकेट ने भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष ऊक्त मांग को उठाया। अब सरकार ने परियोजना को स्वीकृति देकर बजट को भी मंजूरी दे दी है। परियोजना से फरीदाबाद, पलवल, नूँह एवं गुड़गांव जिलों के वाहन चालकों को डीएनडी, केएमपी एवं दिल्ली बड़ोदरा एक्सप्रेस वे के लिए जंक्शन मार्ग मिलेगा।

कुछ पल सिर्फ तुम्हारे–मेरे

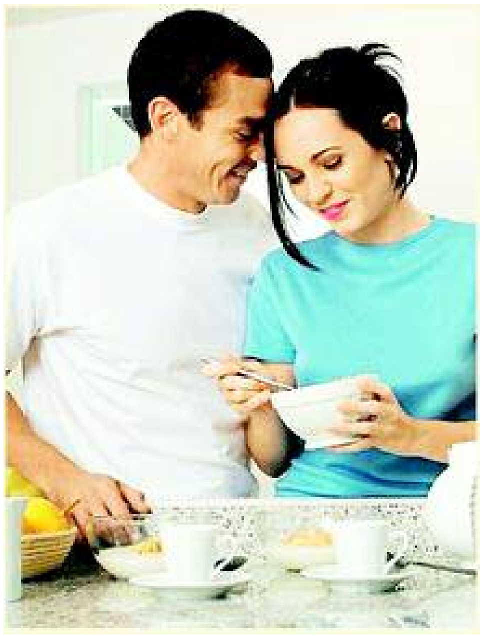

वैवाहिक जीवन में उष्णता बनाए रखना दूर जाने से ज्यादा आसान है। मन में कई तरह की गलतफहमियों, अहंकार तथा कड़वेपन को जगह देने की बजाय यदि पति–पत्नी छोटी–छोटी बातों से एक–दूसरे के दिल में बने रहें तो जिंदगी से शायद किसी को शिकायत भी न हो। इससे दाम्पत्य जीवन में हमेशा ताजगी भी बनी रहती है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अदिति ने अपने ही सहकर्मी अतुल से पाँच वर्ष पूर्व विवाह किया है। वे कहती हैं–'यह सही है कि जिंदगी पहले से कहीं ज्यादा रफ्तार भरी हो गई है, लेकिन उसमें से कुछ पल भी अगर हम सिर्फ और सिर्फ अपने लिए चुरा लें तो हमारे बीच का बंधन और मजबूत हो जाता है। चाहे कुछ भी क्यों न हो जाए अतुल और मैं हर साल दस दिन की छुट्टी लेते हैं और आस–पास ही कहीं ऐसी जगह चल पड़ते हैं जहाँ घर और ऑफिस की टेंशन न हो। आप यकीन नहीं मानेंगे कि दस की दिन वे छुट्टियाँ हम दोनों में साल भर के लिए एनर्जी भर देती हैं। इससे हमारे काम करने की इच्छाशक्ति और 'कैपेबलिटी' भी बढ़ जाती है। अब तो किसी बड़े प्रोजेक्ट के आने से पहले मेरे बॉस भी हँसी–हँसी में कह देते हैं कि अदिति, अतुल से बोलो तुम्हें कहीं घुमा लाए। यकीन मानिए, एक–दूसरे के साथ बिताया एक–एक पल आपके लिए जिंदगी भर की अनमोल याद बन जाता है।'

दिन ब दिन व्यस्त होती जिंदगी के बीच रिश्तों में करीबियाँ लाने के लिए लोग अब पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो गए हैं। छोटे परिवारों और बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच दाम्पत्य जीवन को भी सुदृढ़ तथा प्रवाहमान बनाए रखने के लिए अब लोग पहले से कहीं ज्यादा प्रयोग करने लगे हैं तथा समय देने लगे हैं। एक निजी बुटीक की संचालक पायल मल्होत्रा कहती हैं– 'प्रकाश (पायल के पति) का प्रॉपर्टी का बिजनेस है। उनके पास टाइम की बहुत कमी होती है। फिर जब भी कुछ प्रोग्राम बनाओ कुछ न कुछ अड़ंगे लगे ही रहते हैं। इसके चलते हम पिछले पाँच सालों से दिल्ली के बाहर नहीं जा पाए, लेकिन प्रकाश इस बात को समझते हैं और हम कम से कम महीने में एक बार छत पर साथ बैठकर बतियाने या वीसीडी पर एक अच्छी–सी फिल्म देखने का प्रोग्राम बना ही लेते हैं। हमारी कोशिश होती है कि हम अपने बीच 'कम्युनिकेशन गैप' न आने दें और कैसे भी करके अपने लिए कुछ घंटे निकाल ही लें। जिंदगी की भागदौड़ और काम तो लगे ही रहते हैं। वो कभी खत्म नहीं होने वाले लेकिन उनके पीछे अपने रिश्ते में दूरियाँ पैदा कर लेना बिलकुल गलत है।'

सच तो है, एक–दूसरे के प्रति प्रेम और भावनाओं को यदि जगह नहीं दी गई तो पति–पत्नी का रिश्ता कितना रूखा होकर रह जाएगा। इसके लिए यह भी कतई जरूरी नहीं कि आप किसी पाँच सितारा होटल, विदेशों की सैर या महँगे गिफ्ट्स को ही माध्यम बनाएँ। यह काम तो एक साथ बैठकर सुबह की चाय की चुस्कियाँ लेने, एक फूल उपहार में दे देने, छुट्टी के दिन साथ बैठकर कोई फिल्म देख लेने या फिर पुराने एल्बम के साथ यादों के पन्नो पलटते हुए भी किया जा सकता है। ये बातें आपको न केवल एक–दूसरे के करीब लाएँगी बल्कि एक–दूसरे की उन खूबियों–खामियों से भी परिचित करवा जाएँगी, जिनके बारे में आप जानते नहीं थे। इसलिए जीवन के इन अनमोल पलों की कद्र कीजिए और एक–दूसरे को वक्त दीजिए ताकि आपका दाम्पत्य जीवन हमेशा तरोताजा बना रहे। फिर जब पचास साल बाद भी यादों की पोटली खोलें तो इन पलों की सुनहरी दमक पूरी जिंदगी को रोशन कर डाले।

स्पेशल क्लोव कुकीज

सामग्री– मैदा तीन कप, चीनी 1 कप, मक्खन या घी 1/2 कप, मलाई (फेंटी हुई) 1/2 छोटा चम्मच, बेकिंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, जायफल पावडर चुटकी भर, लौंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, किशमिश 1/2 कप।

विधि– किशकिश को छोड़कर सारी सामग्री को मिक्सर में मिक्स करें। किशमिश डालकर मिश्रण को रातभर फ्रीज में रख दें। ओवन को अच्छा गरम कर लें। अब मिश्रण की एक पतली रोटी बेलकर उस पर शकर छिड़क दें। अब एक कटर या तेज चाकू से बेली हुई रोटी के मनचाहे शेप में कुकीज काट लें और कुकीज बेक करने वाली ट्रे पर रख दें। ट्रे को ओवन में रखकर 8 से 10 मिनट या ब्राउन होने तक बेक करें। ठंडा होने पर सर्व करें।

करियर में सफलता के लिए

- काम शुरू करने से पहले अच्छी तरह प्लानिंग करें। अपनी रूचि, क्षमता व योग्यता के आधार पर कारोबार या जॉब का चुनाव करें।
- अपने करियर प्लान को गोपनीय रखना सफलता के लिए जरूरी है।
- करियर चुनने के पूर्व उसके बारे में समूची जानकारी जुटा लें। उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से बात करें।
- उस नए क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी के सामने आप कैसे टिकेंगे, इन सब बातों पर भी पहले विचार कर लें। निर्णय लेने में दिल व दिमाग दोनों का इस्तेमाल करें।
- आपके पास कितनी पूंजी है, किस बैंक व किस शाखा से लोना लेंगे, कौन–सा बैंक किस व्यवसाय के लिए कितना लोन देता है, ब्याज दर, लोन चुकाने की प्रक्रिया, भुगतान कैसे करेंगे–इन तमाम पहलुओं पर विचार करें।
- घर से व्यवसाय शुरू करने की स्थिति में परिवार के सदस्यों से बात करें और उनसे विश्वास व सहयोग की उम्मीद जताएं।
- परिवार के बुजुर्गों तथा उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी विचार–विमर्श करें, ताकि उनके अनुभवों का लाभ मिल सके।
- आपका नजरिया स्पष्ट व आशावादी हो। कंफ्यूजन में न रहें।
- करियर की मांग, समय व परिस्थिति के अनुकूल खुद को ढाल लें।
- संभावित कठिनाइयों व परेशानियों का आकलन करें और काल्पनिक व वास्तविक समस्याओं को सूझबूझ से हल करें।
- कई समस्याएं एक साथ आ जाने पर उन्हें एक–एक कर सुलझाएं और इस दौरान अपना संयम, धैर्य व आत्मविश्वास बनाए रखें।
- अपने फील्ड से संबंधित संस्थानों व लोगों का नाम–पता व उन तक पहुंचने का जरिया तलाशें। यह भी देखें कि किन लोगों का सहयोग व पथ–प्रदर्शन आपको स्थिरता देगा।
- जो भी करें, पूरे दिल से करें। ऑफिस में काम के घंटे गुजारना ही करियर नहीं होता।
- नई जगह, नए काम, नए माहौल व नए सहयोगियों से तालमेल बनाएं। मेहनत, सहयोग व ईमानदारी से लोगों का दिल जीतें।
- अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। हर काम को शॉर्टकट करने की आदत छोड़ें।
- उदारता, विचारों में लचीलापन और समय की पाबंदी सफलता दिलाती है।
- किसी को अपने आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचाने दें, न दूसरों के साथ ऐसा करें। दोस्ती एक मर्यादा में रहकर करें।
- बात–बात पर झूठ न बोलें।
- देश–विदेश की ताजा खबरों व लेटेस्ट टॉपिक्स पर नजर रखें। बिजनेस व मार्केट के दांवपेंचों का बारीकी से अध्ययन करें।
- दिनभर के काम का आकलन करें और खुद से पूछें कि क्या आप संतुष्ट हैं? अगर नहीं, तो मन को स्थिर रखते हुए उपलब्धियों की ओर बढ़ने के लिए जी–जान से जुट जाएं।

ब्यूटी टिप्स

- यदि लिपस्टिक लगाने पर मुंह के चारों ओर बारीक लकीरों पर फैल जाती है तो लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर हल्का–सा फाऊंडेशन लगाएं, उसके बाद होंठों की बाहरी रेखा को लिप पैंसिल से बनाएं फिर ब्रश की सहायता से लिपस्टिक लगाएं।
- यदि आपका चेहरा चौकोर है तो जॉ–लाइन के सिरों पर त्रिकोण बनाते हुए शेड दें, बालों को छोटा रखें और उन्हें कंधे तक फैलाएं।
- यदि आपका रंग दबा हुआ है तो फाऊंडेशन का प्रयोग कम करें।
- अगर चेहरा रूखा है तो मेकअप करने से पहले बर्फ के टुकड़े को कपड़े में लपेटकर चेहरे पर धीरे–धीरे लगाएं। इससे चेहरे का रूखापन तो दूर होगा ही साथ ही मेकअप भी काफी देर तक टिका रहेगा।
- सोने से पूर्व मेकअप जरूर हटा लें। क्लींजिंग मिल्क या कच्चे दूध से चेहरा साफ करें।
- मेकअप करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप किस अवसर के लिए कैसा मेकअप कर रही हैं।
- रात को सोने से पहले दूध की मलाई में थोड़ा–सा नींबू तथा कुछ बूंदें ग्लिसरीन मिलाकर हाथों पर मलें। कुछ देर बाद रूई से पौंछ लें। हाथ मुलायम हो जाएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक–2–6–8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख–आनंद कारक समय है। शुभांक–1–3–5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग–दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक–3–6–7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़–तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक–6–8–9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक–2–5–7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक–2–5–7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग–जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद–विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक–2–5–6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग–विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक–2–6–8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान–पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक–4–6–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक–5–7–9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक–4–6–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान–पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक–5–7–9

काकुरो पहेली - 2926

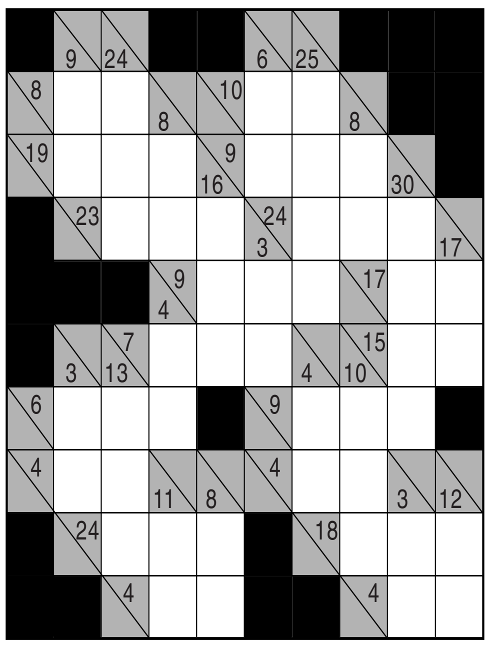

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2925 का हल

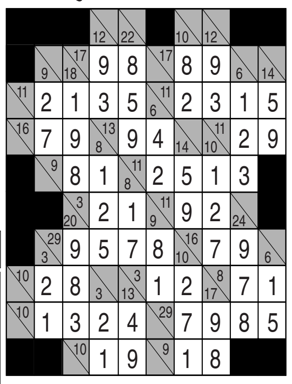

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.
छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?
चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2926

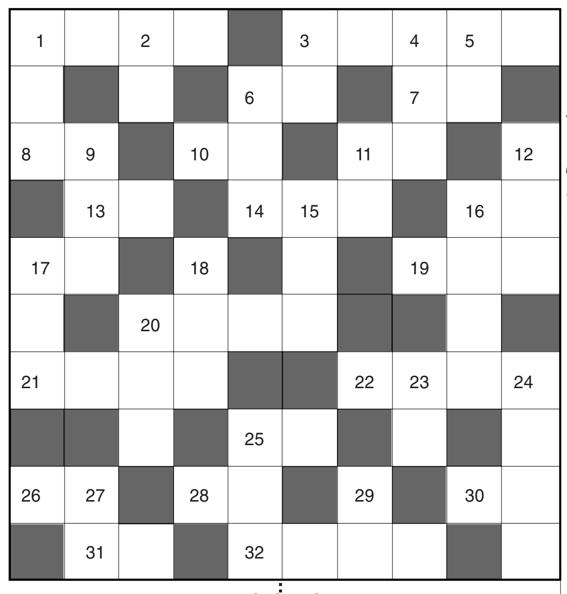

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म–२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म–५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म–२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म–२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं–२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म–२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म–२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म–२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म–३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म–२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म–२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था–३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म–४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म–४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म–४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म–२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म–२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म–२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म–२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म–२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म–४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म–३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म–२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म–२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म–३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म–२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म–३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म–३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म–२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म–३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म–१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म–४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म–३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म–३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म–३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म–२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म–२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म–३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था–२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 2925

क्रि	मि	न	ल	■	प	र	व	रि	श
श	■	ती	■	डो	र	■	र	■	मा
■	अ	जा	म	■	दे	व	दा	स	■
का	श	■	ह	व	स	■	न	म	क
ला	■	ला	ल	च	■	अ	■	झौ	■
पा	य	ल	■	न	सी	म	■	ता	ल
नी	■	कि	ला	■	आ	ला	प	■	ड़ा
■	त	ला	श	■	ई	■	रि	हा	ई
तु	म	■	■	मं	डी	■	णी	■	■
■	ना	■	रा	जू	■	गी	ता	बा	ली

सूडोकु -2926

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2925 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2926

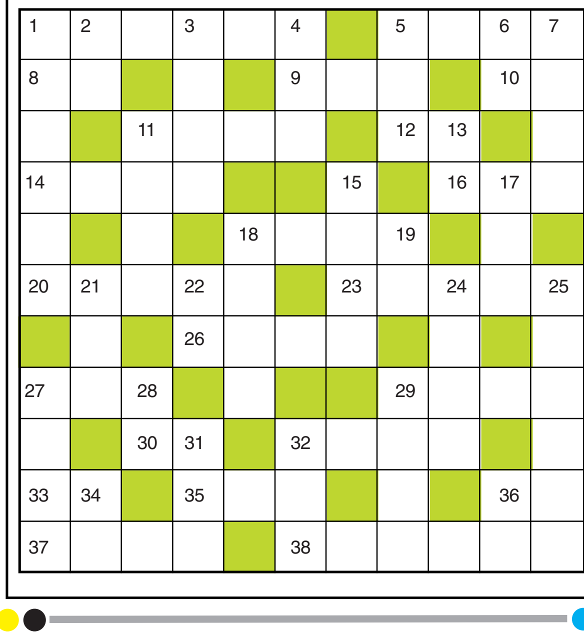

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल–3,3
5.मानवीयता–4
8.शरीर, बदन–2
9.ऊंचाई–3
10.तीर, बाण–2
11.मनमोहक–4
12.रग, नाड़ी–2
14.दुत्कारना–4
16.चतुर, फुर्तीला–3
18.साझेदार–4
20.रमण लायक–3,2
23.भारी, वजन वाला–5
26.असावधानी–4
27.दाल पीसना–3
29.निश्चित–4
30.कविता–2
32.शरीर व इच्छा–2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग–2
35.सलाम करना–3
36.रास्ता–2
37.राह पर चलनेवाले–4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया–3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस–6
2.गाय के स्तन–2
3.प्रसन्न होने का भाव–4
4.लगन, जिज्ञासा–3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में–3)
6.अधीन, काबू–2
7.डामर, टार–4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन–4
13.सच्चाई–2
15.दुश्मनी,शत्रुता–4
17.घूंघट, बुरखा–3
18.भाग्य का लेखा-जोखा–4
19.धूल, रेत–2
21.भवन, प्रसाद–3
22.जोड़, कुल–2
24.लावण्ययुक्त–4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,–3,3
27.विजयादशमी–4
28.मोड़, छोर–2
29.मृत्यु का देवता, यम–4
31.बुरी आदत–3
32.सभ्य व्यवहार–3
34.मार्ग–2
36.गोंद, वार्निश–2

शब्द पहेली -2925 का हल

ह	ल	च	ल	■	टा	■	द	वा	खा	ना
■	क्ष्य	■	व	■	ल	क	वा	■	र	ज
ज	■	■	कु	सु	म	■	त	■	■	नी
ब	द	मा	श	■	टो	ना	■	सौ	त	न
र	■	हि	■	फा	ल	■	प्रा	■	न	■
न	ग	र	वा	सी	■	ग	ण	ना	य	क
■	र	■	द	■	मा	ली	■	पा	■	ल
अ	ल	ग	■	म	न	■	चौ	की	दा	र
प	■	■	चि	■	सि	स	की	■	■	व
रा	ज	■	क	न	क	■	दा	■	मे	■
ध	ड़	क	न	■	ता	■	री	मा	ला	गू

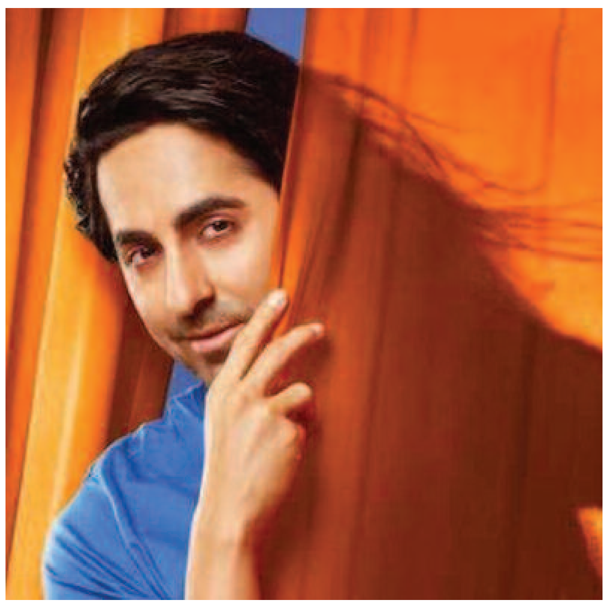

ड्रीम गर्ल में हेमा मालिनी और माधुरी दीक्षित को कॉपी करने की कोशिश की है: आयुष्मान खुराना

मेरी बड़ी इच्छा है कि मैं अपने साथ काम करने वाली और फिल्म इंडस्ट्री में जितनी भी एक्ट्रेस काम करती हैं, उन सभी को डराऊं उनकी रातों की नींदें उड़ा दूं। उन्हें इतना परेशान कर दूं कि देखो अब आयुष्मान भी एक लड़की बनकर आ गया है और वह कितनी बला की खूबसूरती लेकर आया है। मैं तो यह भी चाहता हूं कि इस साल का बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड का नॉमिनेशन भी मुझे जाए और अवार्ड भी मुझे मिल जाए तो कुछ इस तरीके से चुटीली बातों के साथ आयुष्मान खुराना मीडिया से मुखातिब हो रहे हैं।

आयुष्मान खुराना की फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' जल्द ही लोगों के सामने आने वाली है। मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी फिल्म के बारे में। आयुष्मान ने यूं तो कई सारी बातें बताई। लेकिन साथ ही में कुछ बातों को बहुत संजीदगी से भी मीडिया के सामने रखने की कोशिश की।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए आयुष्मान बताते हैं कि मुझे यह रोल निभाते समय खास दिक्कत तो नहीं हुई कपड़े और मेकअप जेवर यह सब आपको मिल जाता है, लेकिन आप लड़कियों वाली अदाएं कैसे लेकर आएंगे इस बात पर बात ठहर जाती है। लेकिन भला हो मैंने अपने पुराने समय में बहुत ज्यादा थिएटर किया है। रेडियो जॉकी भी रहा हूं। और नाट्यशास्त्र में भी पढ़ा है कि कैसे नौ रस होते हैं तो इन सब को अपना लिया मैंने। और अपने अंदर की जो फेमिनिन एनर्जी है उसको जगाए रखा और इन सब की वजह से मुझे अपना रोल करने में आसानी हुई।

सालों से पुरुष महिला बनते आ रहे हैं लेकिन कई बार ऐसे एक। हंसी मजाक के रूप में दिखाया जाता है। यही रोल अगर आपको बहुत संजीदगी के साथ करना होता तो क्या आप निभाते? क्या कभी ट्रांसजेंडर का रोल करते।

बिल्कुल, आज भी देश के कई गांव में रामलीला होती है या नाटकों का मंचन होता है तब द्रौपदी या सीता किसी पुरुष पात्र को ही निभाना पड़ता है। हाल ही में फिल्म जो ताली भी आई है जिसमें एक ट्रांसजेंडर की कहानी को दिखाया गया है। कभी ऐसी भूमिका मुझे मिली तो मुझे यह निभाने में अच्छा लगेगा। लेकिन फिर भी मैं तो यही कहूंगा कि ऐसी भूमिका के लिए किसी ट्रांसजेंडर को ही आगे आना चाहिए और उसे यह भूमिका निभानी चाहिए।

आपकी जिंदगी में ऐसी कोई महिलाएं रही है जिनसे आप बहुत गहरे तौर पर जुड़े और शायद उनकी कोई बातें आपने अपने रोल में उपयोग में लाई हो।

मैं अपनी जिंदगी में बहुत सारी स्ट्रांग महिलाओं से घिरा हुआ हूं चाहे वह मेरी पत्नी हो चाहे वह मेरी मैनेजर ही क्यों ना हो। लेकिन फिर भी इस रोल के लिए मैंने रोल मॉडल के तौर पर किसी ऐसे एक्टर का अनुसरण नहीं किया जो एक्टर होने के बाद उसने फीमेल कैरेक्टर किया हो और मैं उन एक्टर की नकल कर लूं। मैंने बजाय इसके असली ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और माधुरी दीक्षित जी को कॉपी करने की कोशिश की है। मुझे लगा वह मेरा बेंचमार्क है और मैं इनके जैसे अदायगी लाने की कोशिश करता हूं।

इस रोल को निभाने में कहीं कोई चुनौती का सामना किया।

नहीं, ऐसे बहुत बड़ी चुनौती का तो नहीं कह सकता। एक एक्टर को जितने अलग अलग वेशभूषा और अलग अलग तरीके के कैरेक्टर करने का मौका मिले, उसके लिए वह एक बेहतरीन मौका बन जाता है और मैंने अपने इस मौके का बहुत अच्छे से इस्तेमाल भी किया है। हां, तकलीफें बिल्कुल आई है। अब जैसे 40-45 डिग्री पर मैं शूट कर रहा हूं। पसीने से भीगा हुआ हूं। और मुझे अपना वेट भी संभालना है। मुझे अपने कपड़े भी संभालने है। मुझे एक्टिंग भी करनी है तो वहीं पर कभी यह भी हो जाया करता था कि पसीना आ गया है, मेकअप किया हुआ है लेकिन 3 घंटे बाद मेरी दाढ़ी बढ़ गई है तो फिर शेविंग करो और फिर से मेकअप करो।

एक बात समझाने के लिए बताते हैं जैसे शिवजी का अर्धनारीश्वर रूप है जिसमें आधे शिव होते हैं और आधी माता पार्वती का वास होता है। वह आपने भी निभाया है जिसमें आपको शिव रूप भी दिखाना है तो वहीं पार्वती रूप भी दिखाना है। कैसे बैलेंस किया?

मेरे हिसाब से हर व्यक्ति में चाहे वह मर्द हो या औरत हो, कहीं ना कहीं दूसरा एलिमेंट होता है। अगर कोई एक पुरुष है तो उसमें महिला स्वरूप ही होता है तभी तो वह एक धैर्यवान व्यक्ति बन पाता है। वह लोगों को प्यार से जीत पाएगा और अगर यह सारी। खासियत ए खूबियां जो महिलाओं में होती है, एक पुरुष अपने अंदर उसे संजो कर रखेगा। अपनी संवेदनशील फेमिनिन एनर्जी को उतना ही महत्व देगा यह हमारे समाज के लिए बहुत अच्छा होगा। इससे हम बेहतर समाज बना पाएंगे।

वही मैं यह भी कहना चाहता हूं कि एक। मेल एनर्जी महिला में भी होती है तभी तो वह सकारात्मक रूप से आगे बढ़ पाते हैं। कई सारी चुनौतियों का सामना कर पाती है। और मेरे इस कैरेक्टर के लिए! यह सम्मेलन एनर्जी को संजोए रखना और उसको उभारना बहुत ही मददगार साबित हुआ है। और शायद इसी तरीके से मैंने अपने पार्वती वाले रूप को भी सम्मान दिया है।

टेलीविजन पर क्या करना चाहिए मैंने सीख लिया: डेजी शाह

अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं।

कृति सेनन ने नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीतने पर जताई खुशी, आलिया भट्ट की भी की तारीफ

69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और कृति सेनन को 'मिमी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है। इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के बाद कृति ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की है। कृति सेनन ने अपनी इस कामयाबी पर सभी को धन्यवाद किया है। कृति सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं अभी भी इसमें डूबी हुई हूं। खुद को पिंच कर रही हूं कि क्या ये सब सच में हुआ है। मिमी के लिए बेस्ट ऐक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला है। ज्यूरी को शुक्रिया, जिन्होंने मेरी परफॉर्मेंस को इस अवॉर्ड के लायक समझा। एक्ट्रेस ने लिखा, यह मेरे लिए पूरी दुनिया है। डीनो मैं आपका धन्यवाद कैसे करूं... आपने मुझपर इतना विश्वास किया और हमेशा मेरे साथ खड़े रहे और मुझे यह फिल्म दी... इसके लिए मैं आपकी जीवन भर शुक्रगुजार हूं। लक्ष्मण सर आप हमेशा मुझे कहते थे कि मिमी देखना आपको इस फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलेगा। मिल गया सर... और यह आपके बिना मुमकिन नहीं था। मॉम, डेड, नूप्स आप सभी मेरी लाइफलाइन हैं। हमेशा चीयरलीडर बनने के लिए थैंक्यू। कृति सेनन ने आलिया भट्ट को भी नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बधाई देते हुए कहा बधाई हो आलिया आप ये डिजर्व करती हैं। मैं हमेशा आपके काम की सराहना करती हूं। मैं इस मोमेंट को आपके साथ शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। ये...बिग हग... चलो सेलिब्रेट करते हैं। आंखें नम हैं और दिल भरा हुआ है। मिमी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। बता दें कि फिल्म 'मिमी' में कृति सेनन के साथ पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में थे। इस फिल्म के लिए पंकज ने भी बेस्ट सहायक अभिनेता का नेशनल अवॉर्ड जीता है। लक्ष्मण उतेकर निर्देशित फिल्म 'मिमी' की कहानी एक युवा लड़की की कहानी है, जो एक अमेरिकन कपल के लिए सरोगेसी से मां बनती है।

'खलनायक 2' से कटा संजय दत्त का पत्ता?

संजू बाबा के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। खबरें ऐसी आ रही है कि खलनायक 2 के लिए शायद सुभाष घई अब संजय दत्त को साइन करने के मूड में नहीं हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन निर्माता ने यह साफ कर दिया है कि उन्होंने फिल्म खलनायक 2 के लिए अभी किसी को अप्रोच नहीं किया है। संजय दत्त को भी नहीं।लगता है खलनायक 2 के लिए कुछ विशेष प्लानिंग की जा रही हैं। माना ये भी जा रहा है कि नयी कहानी के साथ नयी कास्ट भी हो सकती हैं!

संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ स्टारर 'खलनायक' ने अगस्त में अपनी रिलीज के 30 साल पूरे कर लिए हैं। जश्न के मौके को यादगार बनाने के लिए फिल्म निर्माता सुभाष घई ने फिल्म को दोबारा रिलीज करने की घोषणा की है। उनके पास लगभग 100 स्क्रीन हैं जहां फिल्म 4 सितंबर को दोबारा रिलीज होगी। इस बीच, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सुभाष ने खलनायक के सीक्वल के लिए संजय दत्त को फाइनल कर लिया है। हालाँकि, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इस पर कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है।

अब अपने इंस्टाग्राम पर सुभाष घई ने अपनी फिल्म खलनायक 2 के सीक्वल की कास्टिंग के बारे में सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने संजय दत्त की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की और लिखा, 'जैसा कि मीडिया के एक वर्ग में रिपोर्ट किया गया है, मैं स्पष्ट कर दूं कि मुक्ता आर्ट्स ने किसी पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। खलनायक 2 के लिए अभिनेता, हालांकि हम पिछले तीन वर्षों से इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और तत्काल फ्लोर पर जाने की कोई योजना नहीं है। अब हम 4 सितंबर को मुंबई में सितारों के साथ खलनायक के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।'

संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ अभिनीत 'खलनायक' ने 6 अगस्त को अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। निर्माताओं ने इस उपलब्धि को मनाने के तरीके के रूप में 4 सितंबर को सिनेमाघरों में फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला किया। 4 सितंबर को, मुक्ता आर्ट्स और रेडियो नशा मुंबई में फिल्म के अभिनेताओं की भागीदारी के साथ एक प्रीमियर की मेजबानी करेगा। इस साल जून में, संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर घई की प्रशंसा करके समय से पहले खलनायक के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने लिखा, 'मैं भारतीय स्क्रीन के सबसे महान निर्देशकों में से एक सुभाष जी, आदर्श राम बनने के लिए जैकी दादा और गंगा बनने के लिए माधुरी और खलनायक की पूरी कास्ट और क्रू को बधाई देना चाहता हूं, मैं आभारी हूं और मुझे गर्व है कि मैं एक अभिनेता हूं।' ऐसी प्रतिष्ठित फिल्म का हिस्सा, और इसके हर पल को संजोकर रखना।

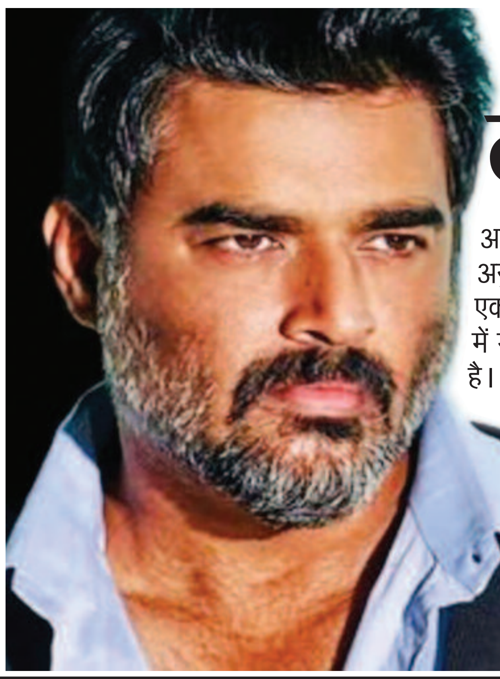

टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे माधवन

अभिनेता आर माधवन जल्द ही शशिकांत की आगामी क्रिकेट ड्रामा फिल्म टेस्ट में नयनतारा, सिद्दार्थ और मीरा जैस्मीन के साथ दिखाई देंगे। हम यह अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि वह अपने अगले किरदार में किन इमोशंस को स्क्रीन पर दर्शाएंगे। अभिनेता की फिल्मोग्राफी बतौर एक्टर उनकी अदभुत क्षमता को दर्शाती है, जो बहुत रोचक और सराहनीय है। रहना है तेरे दिल में से लेकर तनु वेड्स मनु और रंग दे बसंती जैसी फिल्मों में माधवन की प्रतिभा न केवल उनके अभिनय कौशल बल्कि अपने को-स्टार के साथ एक उल्लेखनीय केमिस्ट्री बनाने की उनकी क्षमता को बयान करती है। उनके ऑन-स्क्रीन रोमांस वास्तविक और प्रामाणिक लगते हैं, जो अक्सर दर्शकों को उनके द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं में सराबोर कर देते हैं।

फिल्म के गाने, मेलोडियस ट्यून्स और अद्भुत गीत के साथ प्यार और लालसा की भावनाओं को दर्शाते हुए अभी भी दिलों को लुभाते हैं। वर्षों बाद भी इन गानों का क्रेज फैंस के बीच देखने को मिलता है, जो फिल्म के आकर्षण और उनके किरदार का एक जीता जागता प्रमाण है। चाहे वह रहना है तेरे दिल में में दीया मिर्ज़ा के साथ उनकी रोमांटिक केमिस्ट्री हो, तनु वेड्स मनु में कंगना रनौत के साथ साझा की गई आग लगाने वाली केमिस्ट्री हो, या अलाई पेयुथे में शालिनी के साथ आकर्षक उपस्थिति हो उनकी केमिस्ट्री महज प्रदर्शन से उठकर नज़र आती है, जो हर कहानी को शानदार बना देती है।

अपने सहयोगी स्टारों के साथ उनकी केमिस्ट्री से प्रेरित होकर उन्होंने आज तक महिला प्रशंसकों और युवाओं सहित दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। एक ऑन-स्क्रीन लवर के रूप में उनकी छवि आज भी लोगों को उन्हें रोमांटिक किरदारों में देखने के लिए उत्साहित करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011